बृहस्पतिवार
03 मार्च 2022

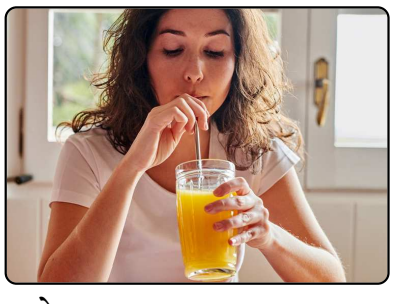

पृष्ठ 4

खाली पेट जूस पीना सेहत के लिए नुकसानदायक

पृष्ठ 5

सबा आजाद के साथ घर बसाने को तैयार हैं ऋतिक!

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 38
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

पराजय से सत्याग्रही को निराशा नहीं होती बल्कि कार्यक्षमता और लगन बढ़ती है।
– महात्मा गांधी

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

तेज होते रूसी हमलों ने बढ़ाई भारत की चिंता

यूक्रेन में अभी भी फंसे हैं अनेक छात्र

संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। यूक्रेन पर रूसी हमलो के बीच फंसे भारतीय छात्रों की सकुशल वापसी के लिए भले ही केंद्र सरकार द्वारा गंभीर प्रयास किए जा रहे हों, लेकिन युद्ध की विभीषिका में फंसे और डरे सहमें उन छात्रों की वापसी की चुनौती और भी गंभीर होती जा रही है जो अभी भी यूक्रेन के कई शहरों में फंसे हुए हैं तथा उन्हें वहां से निकालने का कोई मौका नहीं मिल पा रहा है।

खास बात यह है कि भारत सरकार के पास उपलब्ध जानकारियों के अनुसार भले ही अब अधिक छात्र यूक्रेन में न हो और उनकी सुरक्षित वापसी की बात की जा रही हो, लेकिन जिन अभिभावको की अब अपने बच्चों से बात तक नहीं हो पा रही है उनकी चिंताएं बढ़ती ही जा रही हैं। केंद्र सरकार द्वारा दी गई सूचनाओं के अनुसार 17 हजार से अधिक भारतीय छात्र यूक्रेन छोड़ चुके हैं जबकि अभी तक यूक्रेन के पड़ोसी देशों से अभियान गंगा के तहत आने वाली 10 फ्लाइटों से

●8 मार्च तक चलेगा अभियान गंगा
●अब तक लगभग 4 हजार छात्र लौटे

3784 छात्र-छात्राओं को लाया जा सका है। बाकी के बारे में कहा जा रहा है कि वह सीमावर्ती देशों में आ चुके हैं तथा उन्हें लाने के लिए अभियान तेजी से चलाया जा रहा है।

इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रूस के राष्ट्रपति पुतिन से जब भारतीय बच्चों की सुरक्षा को लेकर बात की गई तो उनके द्वारा यूक्रेन पर ही छात्रों को बंधक बनाने और अपनी सुरक्षा ढाल के रूप में इस्तेमाल करने का आरोप लगाया गया, जिसका भारतीय विदेश और रक्षा मंत्रालय द्वारा खंडन किया गया है। हालांकि इसके बारे में अभी कोई सुनिश्चित संख्या पता नहीं है कि कुल कितने छात्र अभी भी यूक्रेन में फंसे हुए हैं लेकिन इन छात्रों की संख्या अभी भी हजारों में बताई जा रही है। जिन्हे सकुशल भारत लाने की चुनौती सरकार के सामने है। भारत के लिए चिंता का विषय यह है कि रूस यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग के अभी रुकने के आसार तो दिखाई दे ही नहीं रहे हैं बल्कि रूस के हवाई और मिसाइल हमले लगातार बढ़ते ही जा रहे हैं। यूक्रेन के 15 शहरों पर रूस ने भारी बम की वर्षा की है और मिसाइल हमले किए हैं जो अपनी तबाही की गवाही दे रहे हैं।

जहां तक उत्तराखंड की बात है तो अभी भी उत्तराखंड के लगभग 200 से अधिक छात्र-छात्राएं वापस नहीं आ सके हैं। राज्य सरकार के पास जिन 282 छात्रों के यूक्रेन में होने की जानकारी थी उनमें से अभी तक 72 की वापसी ही

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

सीएम कार्यालय में आग लगने से मचा हड़कंप

❑आग पर पाया काबू, बड़ी दुर्घटना टली
❑दुर्घटना की जांच के आदेश जारी

संवाददाता

देहरादून। सचिवालय स्थित मुख्यमंत्री कार्यालय में आज दोपहर अचानक लगी आग से हड़कंप मच गया। गनीमत यह रही कि सुरक्षाकर्मियों की तत्परता से आग पर काबू पा लिया गया और किसी तरह के जान माल का नुकसान नहीं हुआ। आग लगने की घटना के जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री कार्यालय में जिस समय आग लगने की घटना हुई उस समय अपर मुख्य सचिव आनंद वर्धन सहित तमाम अधिकारी मौजूद थे तथा कार्यालय में अच्छी खासी भीड़ थी। जैसे ही लोगों ने सीएम कार्यालय से धुआं निकलते देखा तो वहां हड़कंप मच गया। मौके पर मौजूद लोगों में थोड़े समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। सचिवालय की सुरक्षा में तैनात सुरक्षाकर्मियों को जैसे ही आग लगने की जानकारी मिली तो वह हरकत में आए और उनकी तत्परता से आग को बुझा लिया गया।

आग लगने का कारण हालांकि शॉर्ट सर्किट होना बताया जा रहा है। मुख्यमंत्री कार्यालय में लगे एसी में शॉर्ट सर्किट

◀◀ शेष पृष्ठ 8 पर

यूक्रेन के खेरसॉन पर रूसी सेना का कब्जा!

कीव। रूस की सेना यूक्रेन की राजधानी कीव से लेकर खारकीव में लगातार हमले कर रही है। कई शहर उजाड़ दिए हैं । रूस ने उसके प्रमुख रणनीतिक बंदरगाहों को भी घेर लिया है। यूक्रेनी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि यूक्रेन के खेरसॉन शहर पर रूसी सेना ने कब्जा कर लिया है । इसके अलावा यूक्रेन के कीव में एयरस्ट्राइक का अलर्ट जारी कर लोगों से नजदीकी बंकर में पहुंचने की अपील की गई है। इसी बीच रूस के खिलाफ पूरा विश्व लामबंद हो गया है।

बुधवार को संयुक्त राष्ट्र में अधिकतर देशों ने रूस के खिलाफ रखे प्रस्ताव पर वोट किया और उससे यूक्रेन से बाहर निकलने की मांग की। रूसी सेना ने यूक्रेन के दूसरे सबसे बड़े शहर में बमबारी फिर शुरू कर दी है और इससे देश की राजधानी पर खतरा बढ़ गया है।रूस का कहना है कि पिछले सप्ताह शुरू हुई सैन्य कार्रवाई में अभी तक करीब उसके ५०० सैनिक मारे गए हैं और लगभग १,६०० जवान घायल हुए हैं।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि सात दिन से जारी रूसी आक्रमण में ८,७०,००० से अधिक लोग यूक्रेन छोड़ चुके हैं, जिससे यूरोपीय महाद्वीप में शरणार्थी संकट बढ़ गया है। वहीं, संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी एजेंसी के प्रमुख ने आगाह किया कि लड़ाई यूक्रेन के १५ परमाणु रिएक्टर के लिए खतरा बन गई है। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी के राफेल ग्रॉसी ने कहा कि युद्ध ऐसी जगह हो रहा है, जहां बड़ी परमाणु ऊर्जा सुविधाएं स्थापित हैं। उन्होंने कहा कि वह इसे लेकर बेहद चिंतित हैं।

भारत में कोरोना संक्रमण के एक दिन में सामने आए 6,561 नए मामले, 142 लोगों की मौत

नई दिल्ली । भारत में पिछले २४ घंटों में कोरोना वायरस संक्रमण के ६,५६१ नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद कुल मामलों का आंकड़ा ४,२६,४५,१६० हो गया है।

देश में भारत में नए कोविड–१६ केसों में १३ प्रतिशत कमी दर्ज की गई है। वहीं, इस दौरान १४,६४७ लोग कोविड–१६ से रिकवर हुए हैं। ऐसे में कुल रिकवरी का आंकड़ा ४,२३,५३,६२० हो गया है। देश में अभी भी ७७,१५२ सक्रिय मामले मौजूद है।

केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बृहस्पतिवार को सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, देश में १४२ और लोगों की संक्रमण से मौत के बाद मृतक संख्या

बढ़कर ५,१४,३८८ हो गई। देश में अभी ७७,१५२ लोगों का कोरोना वायरस संक्रमण का इलाज चल रहा है, जो कुल मामलों का ०.१८ प्रतिशत है। पिछले २४ घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में ८,५२८ की कमी दर्ज की गई।

अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण की दैनिक दर ०.७४ प्रतिशत और साप्ताहिक दर ०.६६ प्रतिशत दर्ज की गई। देश में अभी तक कुल ४,२३,५३,६२० लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं और कोविड–१६ से मृत्यु दर १.२० प्रतिशत है। वहीं, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान के तहत अभी तक कोविड–१६ रोधी टीकों की १७८.०२ करोड़ से अधिक खुराक दी जा चुकी हैं।उल्लेखनीय है कि देश में सात अगस्त २०२० को संक्रमितों की संख्या २० लाख, २३ अगस्त २०२० को ३० लाख और पांच सितंबर २०२० को ४० लाख से अधिक हो गई थी। संक्रमण के कुल मामले १६ सितंबर २०२० को ५० लाख, २८ सितंबर २०२० को ६० लाख, ११ अक्टूबर २०२० को ७० लाख, २६ अक्टूबर २०२० को ८० लाख और २० नवंबर को ९० लाख के पार चले गए थे।

दून वैली मेल

संपादकीय

हर एक नेता को चांद चाहिए

आपको यह बात थोड़ी अजीब सी लग सकती है कि नेताओं का चांद से क्या सरोकार? महान कवि सूरदास का आपने वह पद्यांश जरूर पढ़ा या सुना होगा जिसमें उन्होंने भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए लिखा है 'मैया मैं तो चंद्र खिलौना लैहूं' भगवान कृष्ण मां यशोदा से जिद करते होते हैं कि उन्हें तो बस चंद्रमा ही खिलौने के रूप में चाहिए इसके सिवाय अन्य कोई भी खिलौना नहीं। हिंदी साहित्य के महान लेखकों में शुमार सुरेंद्र वर्मा कि 'मुझे चांद चाहिए' जैसी कृति भी आपने शायद पड़ी हो जिसकी रंगमंच नायिका की अत्यंत अभिलाषा को उन्होंने इस कृति में समेटने का प्रयास किया है जिनका अंत संभव ही नहीं है। ठीक वैसे ही हमारे उत्तराखंड के नेताओं को भी एकमात्र मुख्यमंत्री की कुर्सी ही चंद्र खिलौने के रूप में चाहिए। इस कुर्सी की खास बात यह है कि उन्हें यह कुर्सी चाहिए ही नहीं बल्कि उनकी चाहत यह है कि यह कुर्सी हमेशा उनके पास ही रहनी चाहिए। इन नेताओं में बहुतों की ख्वाहिश विधायक बनने की हो सकती है तो बहुतों की ख्वाहिश मंत्री बनने की हो सकती है क्योंकि अभी वह विधायक या मंत्री भी नहीं बन सके हैं। लेकिन हर विधायक और मंत्री या पूर्व मुख्यमंत्री के लिए यह सीएम की कुर्सी एक ऐसा चंद्र खिलौना है जो सभी को चाहिए ही चाहिए। लेकिन विडंबना यह है कि राज्य गठन से लेकर अब तक एकमात्र एनडी तिवारी ही ऐसे सौभाग्यशाली नेता रहे हैं जिनके पास पूरे 5 साल तक यह कुर्सी रही। बाकी नेता तो आया राम, गया राम ही रहे है। कोई भी इस कुर्सी पर टिक नहीं सका। फिर भी इस निर्मोही सीएम की कुर्सी का वशीकरण देखिए जिन्हें यह कुर्सी मिल गई वह भी और जिन्हें नहीं मिली वह भी सिर्फ इस कुर्सी के पीछे ही मुट्ठी भींच कर दौड़ रहे हैं। अभी-अभी 2022 विधानसभा चुनाव हुए हैं लेकिन सरकार किसकी बनेगी? इससे पूर्व ही इस सीएम की कुर्सी को पाने के लिए बिसात बिछाई जाने लगी है, वर्तमान सीएम पुष्कर सिंह धामी इन दिनों अपनी पार्टी के तमाम वरिष्ठ नेताओं और पूर्व सीएम रहे नेताओं से शिष्टाचार भेंट करने में जुटे हुए हैं, इन मेल मुलाकातों की इन दिनों सबसे अधिक चर्चा हो रही है। इन सभी मेल मुलाकातों के पीछे चंद्र खिलौने की चाहत का ही खेल चल रहा है। बात भाजपा नेताओं की ही नहीं है कांग्रेसी दिग्गजों के बीच भी इस चंद्र खिलौने को पाने के लिए खूब शतरंजी चालें चली जा रही है। सूबे की राजनीति में अस्थिरता और कपड़ों की तरह मुख्यमंत्रियों को बदला जाना तथा 2016 में कांग्रेस में हुआ बड़ा विभाजन आदि बड़ी-बड़ी तमाम घटनाओं की पृष्ठभूमि में इस चंद्र खिलौने की चाहत ही अहम कारण रही है। अब सवाल यह है कि 10 मार्च को आने वाले नतीजों में किसकी जीत होगी और जीतने वाली पार्टी के किस नेता को चन्द्र खिलौना मिलता है। हां इसके लिए बेताब नेताओं की लंबी कतार लगी हुई है कुछ पर्दे के आगे हैं तो कुछ पर्दे के पीछे हैं।

वेस्ट वारियर्स संस्था ने चलाया वन क्षेत्र में संयुक्त सफाई अभियान

संवाददाता

देहरादून। वेस्ट वॉरियर्स संस्था द्वारा आज देहरादून के जाखन स्थित जंगल को साफ करने के लिए एक संयुक्त सफाई अभियान चलाया गया, जिसमें वन विभाग, नगर निगम, उत्तराखंड प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीमें व संस्था के स्वयं सेवी, पार्षद ,हिम मोनाल संस्था, बियोंड दी वॉल संस्था एवं अन्य जागरूक नागरिकों ने इस में अपना सहयोग दिया गया।

राजपुर रोड जाखन के नजदीक लगते हुए वन को आज सुंदर और साफ बनाने के लिए सभी ने अपना भरपूर सहयोग दिया। आज हुए इस सफाई अभियान में एकत्रित किए गए पूरे कचरे को अलग अलग किया गया एवं सूखे कचरे को पुनः चक्रित हेतु स्वच्छता केंद्र हर्रावाला भेजकर इस कार्य को पूर्ण किया गया। सफाई अभियान में उपस्थित वन विभाग से वनक्षेत्राधिकारी राकेश नेगी द्वारा बताया गया कि जल्द ही इस क्षेत्र में कैमरे की व्यवस्था की जाएगी और विभान की संयुक्त टीम द्वारा रात्रि में गश्त भी की जाएगी। ताकि जो आसामाजिक तत्व इस वन को खराब करने का कार्य कर रहे है उनकी पकड़ की जाए एवम वन कानून के अंतर्गत उचित कार्यवाही भी की जाए। देहरादून में ठोस कचरा प्रबंधन पर कार्य कर रही वेस्ट वॉरियर्स संस्था के नवीन कुमार सडाना ने बताया कि इस वन को कचरा मुक्त बनाने हेतु हमारी संस्था काफी प्रयासरत है और समय-समय पर जागरूक नागरिकों के साथ मिल कर सफाई अभियान भी करती रहती है। इस दौरान पार्षद सागर लामा, असलम खान, सबला राम, निहारिका, रचना, अनीता शास्त्री, यश, नेहा, योगेंद्र आदि ने सहयोग किया।

रूस के हमले से दांव पर दुनिया

जी. पार्थसारथी

बाईस फरवरी की शाम राष्ट्रपति व्लादिमीर ने अपने लोगों और शेष विश्व के नाम संबोधन में रूस को अमेरिका से दरपेश चुनौतियों के बारे में बताया। उनके दावे के मुताबिक यह सब रूस को पड़ोसी मुल्कों से दूर करने की गर्ज से है। उनका यह भाषण पड़ोसी यूक्रेन से बढ़ते तनावपूर्ण रिश्तों के बीच आया था। पुतिन ने भाषण में विशेष रूप से जिक्र किया कि अमेरिका ने दुर्भावनावश सोवियत रूस को कमतर और अस्थिर किया था। पुतिन ने पड़ोसी यूक्रेन की कथित भूमिका के बारे में भी तफ्सील से बताया कि वह भी रूसी संघ को अस्थिर करने वाली हालिया पश्चिमी साजिशों में शामिल हो गया है। उन्होंने भावुक होकर कहा, 'यहां मैं पुनः कहना चाहूंगा कि यूक्रेन हमारे लिए केवल पड़ोसी देश नहीं है। यह हमारे साझे इतिहास, संस्कृति और आध्यात्मिकता का अभिन्न हिस्सा रहा है।' उन्होंने आखिर में कहा कि मौजूदा हालात में यह जरूरी हो जाता है कि यूक्रेन में 'दोनेस्तक गणतंत्र' और 'लुहांस्क गणराज्य' द्वारा अपनी आजादी और संप्रभुता पाने वाली लंबित मांगों पर निर्णय लिया जाए। उनके इस प्रस्ताव को रूसी संसद ने आनन-फानन में मंजूर कर लिया।

इस तरह 22 फरवरी को यूक्रेन के साथ बढ़ते तनावों में रूसी आक्रमण की भूमिका तैयार हो गई थी जो मुख्यतः अमेरिका के खिलाफ थी। राष्ट्रपति बाइडेन को इस घटनाक्रम पर तीखी घरेलू आलोचना का सामना करना पड़ा है। पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप और उनके विदेश मंत्री रहे पोम्पियो के नेतृत्व में रिपब्लिकन राजनेताओं ने हल्ला बोलते हुए कहा कि जो कुछ हुआ वह स्थिति से सही तरह निपट पाने में बाइडेन प्रशासन की विफलता का नतीजा है और ठीक वैसा है जब प्रशासनिक शिकस्त की वजह से अफगानिस्तान से अमेरिकी फौज को बेइज्जत होकर वापसी करनी पड़ी थी। इसी बीच रूसी मीडिया ने गर्व से घोषणा की है कि दोनेस्तक और लुहांस्क ने यूक्रेन से निश्चयपूर्ण आजादी पा ली है।

पुतिन ने यह साफ कर दिया है कि अब केवल दोनेस्तक और लुहांस्क ही नहीं बल्कि इलाकाई महत्वाकांक्षा का निशाना समूचा यूक्रेन है। उन्होंने अपने संबोधन में पूर्व सोवियत संघ की नीतियों की कटु आलोचना करते हुए किसी को नहीं बख्शा, जिसमें सोवियत काल के प्रतीक-पुरुष जैसे कि लेनिन, स्तालिन, ख्रुश्चेव के अलावा कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ सोवियत यूनियन के नेतृत्व की तीन पीढ़ियां भी शामिल हैं। कम शब्दों में कहें तो, पुतिन द्वारा विगत के उन राजनेताओं की आलोचना करना अजीब और गैरवाजिब है, जिन्होंने रूस की वैज्ञानिक और तकनीकी उपलब्धियों की नींव रखी और सोवियत संघ को विश्वशक्ति बनाया था।

पुतिन की इलाकाई महत्वाकांक्षा जाहिर होने के बाद चले घटनाक्रम ने रूस और दुनियाभर में हलचल पैदा कर दी है। जहां पहले यह महत्वाकांक्षा यूक्रेन के चंद इलाकों को 'आजादी' दिलवाने तक सीमित थी वहीं अब समूचा यूक्रेन कब्जाने के फैसले ने विश्व को चौंकाया है। उनका यह दावा यूक्रेन पर धावा बोलने के साथ लागू हुआ। आरंभ में कइयों को लगा कि वे सिर्फ क्रीमिया को रूस में मिलाना चाहते हैं, लेकिन पुतिन के ताजा कृत्य ने दुनिया को हैरान-परेशान कर दिया है। भारत ने पहले भी वार्ता के जरिए रूस-यूक्रेन तनाव कम करने वाले प्रयासों का समर्थन करके सही किया था और अब भी यूक्रेन की मौजूदा सीमारेखा में बदलावों के प्रयास की ताईद न करके समझदारी दिखाई है। भारत सहित शायद ही कोई मुल्क ऐसा होगा जो रूस द्वारा सैन्य कार्रवाई करके यूक्रेन को हड़पने या टुकड़ों में बांट देने को सही ठहराए।

कोई हैरानी नहीं कि राष्ट्रपति बाइडेन ने रूस पर दबाव बनाने के लिए तमाम नाटो, यूरोपियन और एशियाई सहयोगियों को लामबंद होने का आह्वान किया है। बाइडेन ने सबसे ज्यादा जिन मारक प्रतिबंधों का प्रस्ताव दिया था, उसमें रूस को उपलब्ध विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग सुविधाओं से महरूम करना शामिल था। अब इस पर अमल भी हो चुका है। अमेरिका स्थित ब्लूमबर्ग डॉट कॉम ने हालांकि बताया है कि राष्ट्रपति पुतिन द्वारा पृथक दोनेस्तक और लुहांस्क को मान्यता देने वाले दस्तावेज पर दस्तखत करने के 24 घंटों के अंदर अमेरिका और यूके ने आनन-फानन में रूस से 350 लाख बैरल कच्चा एवं परिशोधित तेल, सोना सहित 700 मिलियन डॉलर मूल्य की प्राकृतिक गैस, एल्यूमीनियम, टाइटेनियम, कोयला खरीदा है। रूस से इनका निर्यात आज भी जारी है। यूक्रेनी फौज और नागरिकों द्वारा रूसी सेना को कड़ी टक्कर के बीच पश्चिमी प्रतिबंध और सख्त होने जा रहे हैं। इसका विश्वव्यापी असर होना अवश्यम्भावी है।

अमेरिका और उसके यूरोपियन सहयोगियों द्वारा रूस पर प्रतिबंधों में सबसे करारा असर 'स्विफ्ट' नामक बैंकिंग व्यवस्था से महरूम करने से होगा। इसके अभाव में रूस की विश्व-व्यापार परिचालन क्षमता बाधित हो जाएगी और रूस के केंद्रीय बैंक का दुनिया के अन्य देशों से वैश्विक लेन-देन पंगु हो जाएगा। हालांकि, रूसी बैंक नियंताओं को इन उपायों का कयास पहले से था। इस सबके बीच रूसी अपना सैन्य अभियान बंद करने को तैयार नहीं हैं। हालांकि यूक्रेन ने सूझ-बूझ दिखाते हुए स्थिति सामान्य बनाने के लिए वारसा में शांति-वार्ता की पेशकश की है, लेकिन उम्मीद के मुताबिक रूस ने पहले यह प्रस्ताव ठुकरा दिया था। हालांकि बैठक का एक दौर हो चुका है।

रूस द्वारा यूक्रेन पर दमन जारी रखने पर न केवल यूक्रेन को बल्कि रूसी नागरिकों को भी लंबे समय तक दुश्वारियां झेलनी पड़ेंगी, जिससे कटुता बढ़ेगी एवं आपसी एकता भंग होगी और बदनामी झेलनी पड़ेगी। उम्मीद करें कि रूस और यूक्रेन द्वंद्व में तमाम संबंधित पक्ष अपने जहन में रखेंगे कि अपने पड़ोस में शांति और सद्भावना कायम रखना दोनों की जिम्मेवारी है। शांति प्रयासों में फ्रांस और जर्मनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते हैं। रूसी समस्याओं पर अमेरिका और अन्य मुल्कों द्वारा व्यर्थ का छद्म-राष्ट्रवाद बघारने और घुड़कियों का भयावह परिणाम हो सकता है। रूस के पास फिलहाल 6400 परमाणु अस्त्रों का भंडार है, जिसमें 1600 सामरिक मिसाइलें तैयार हैं। रूस ने भड़काए जाने पर इनका इस्तेमाल करने का इरादा गुप्त नहीं रखा है।

यूक्रेन में स्थिति हाथ से निकलने पाए, इस हेतु वैश्विक राजनीतिक और कूटनीतिक प्रयास बहुत महत्वपूर्ण बन जाते हैं। राष्ट्रपति बाइडेन और पुतिन जब जेनेवा में मिले थे तो आदर्श राजनेता की तरह कहा था- 'परमाणु युद्ध में कोई विजेता नहीं होता और यह कभी नहीं होना चाहिए।' उम्मीद करें कि यह दोनों ताकतें तनाव को काबू से बाहर नहीं होने देंगी। अमेरिका और सहयोगियों द्वारा लगाए प्रतिबंधों की वजह से रूस के साथ भारत के व्यापारिक और आर्थिक संबंधों पर असर पड़ेगा। हालांकि इन अड़चनों से जुगत लगाकर पार पाया जा सकता है। लेकिन पुतिन के कृत्यों ने नया वैश्विक तनाव ऐसे समय बना डाला है जब दुनिया पहले से ही कोरोना महामारी का घातक असर झेल रही है। किंतु फिलहाल लगता नहीं कि व्लादिमीर पुतिन पीछे हटने को राजी होंगे, जाहिर है उन्हें अपने परमाणु भंडार की पाश्विक शक्ति पर यकीन है।

लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

यदिन्द्र दिवि पार्ये यदृधग्यद्वा स्वे सदने यत्र वासि।
अतो नो यज्ञमवसे नियुत्वान्सजोषाः पाहि गिर्वणो मरुद्भिः
(ऋग्वेद ६-४०-५)

चाहे आप दूर हों या पास या अपने ही घर में। आप जहां भी हैं, वहां से आप राज्य की रक्षा करते रहे, सत्य का प्रचार करते रहे और कल्याणकारी कार्यों में सहयोग करते रहे। श्रेष्ठ लोगों को अपने साथ जोड़कर लोगों के लिए सुख-समृद्धि लाएं।

Whether you are far away or near or in your own home. Wherever you are, from there you continued to protect the state, propagate truth and cooperate in welfare works. Bring happiness and prosperity to the people by uniting the best people with you.
(Rig Veda 6-40-5)

टिहरी झील से एसडीआरएफ ने किया अज्ञात शव बरामद

हमारे संवाददाता

टिहरी। टिहरी झील से आज सुबह एसडीआरएफ टीम द्वारा एक अज्ञात शव बरामद कर उसे जिला पुलिस को सौंप दिया गया है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह चौकी कोटि कालोनी से एसडीआरएफ टीम को सूचना मिली कि पुलिस चौकी कोटि कॉलोनी से नीचे वाटर फिल्टर के पास झील में एक शव दिखाई दे रहा है। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ टीम घटनास्थल पहुंची जहां पता चला कि उक्त शव दो तीन दिन पुराना है। जिसकी पहचान नहीं हो पायी है। बहरहाल एसडीआरएफ टीम द्वारा मोटर बोट की सहायता से उक्त अज्ञात शव को झील से बरामद कर उसे जिला पुलिस के सुपुर्द किया गया है।

दो साल बाद आंगनबाड़ी केंद्र में लौटी रौनक, बच्चों के चेहरे खिल उठे

चंपावत (आरएनएस)। चम्पावत जिले के आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन दो साल बाद एक बार फिर से शुरू हो गया है। ये केंद्र कोविड को देखते हुए बंद कर दिए गए थे। केंद्र खोलने से पूर्व परिसर व शौचालय को सेनेटाइज किया गया। डीपीओ ने आठ केंद्रों का निरीक्षण किया। चम्पावत जिले के सभी ६८१ केंद्र बुधवार से खोल दिए गए। कोविड संक्रमण को देखते हुए मार्च २०२० में जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को बंद करने के आदेश दिए गए थे। इसके बाद जिले भर में सभी केंद्रों का संचालन बंद कर दिया गया था। संक्रमण दर कम होने के बाद बुधवार को जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों को दोबारा से खोल दिया गया। केंद्र खोलने से पहले परिसर और शौचालय को सेनेटाइज किया गया। इस दौरान बच्चों को कोविड गाइड लाइन का पालन करते हुए अक्षर ज्ञान कराया गया। इससे पूर्व बुधवार को डीपीओ राजेंद्र प्रसाद बिष्ट ने आंगनबाड़ी केंद्रों का निरीक्षण किया। सीमांत क्षेत्र मंच, तामली, दूबड़ जैनल, सिमल्टा, कांडा, बरदोली, रेसंग, मौनपोखरी और कठाड़ स्थित केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने किसी भी बच्चे में खांसी, जुकाम और बुखार के लक्षण दिखने पर स्वास्थ्य विभाग से संपर्क करने के निर्देश दिए।

जिला सहकारी बैंक अधिकारियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

रुद्रपुर (आरएनएस)। राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) देहरादून एवं ऊधमसिंह नगर डिस्ट्रिक्ट कोऑपरेटिव बैंक में नाबार्ड सहकारी विकास निधि(सीडीएफ) योजना के तहत केवाईसी एवं ऋण मूल्यांकन आदि विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें बैंक के अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया गया। इसका शुभारंभ नाबार्ड क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून के मुख्य महाप्रबंधक एपी दास ने किया। बुधवार को प्रशिक्षण के दौरान मुख्य महाप्रबंधक दास ने बैंक के अधिकारियों से बैंक को प्रगति के पथ पर अग्रसर करने का आह्वान किया। मुख्य प्रशिक्षक के रूप मे बैंक ऑफ बड़ौदा बरेली के क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान के मुख्य प्रबंधक विवेक वर्मा एवं दीपक गुप्ता ने सभी प्रशिक्षणार्थियों का मार्ग दर्शन किया। प्रशिक्षण शिविर में नाबार्ड के उप महाप्रबंधक सोहन लाल बिड़ला, जिला प्रबंधक राजीव कुमार प्रियदर्शी, जिला सहकारी बैंक के सचिव व महाप्रबंधक रामअवध ने भी अपने विचार रखकर प्रशिक्षार्थियों का मार्गदर्शन किया।

एडमिन इलेवन और होटल रेस्टोरेंट एसोसिएशन विजयी

नैनीताल (आरएनएस)। एजी ऑफिस हाईकोर्ट स्पोर्ट्स क्लब के तत्वावधान में आयोजित ११वीं ज्यूडिशियल क्रिकेट प्रतियोगिता बुधवार को भी डीएसए मैदान में जारी रही। इसमें एडमिन इलेवन और होटल रेस्टोरेंट एसोसिएशन की टीम विजयी रही। इसमें टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए एडमिन इलेवन ने निर्धारित २० ओवरों में चार विकेट पर १७१ रन बनाए। जवाब में व्यापार मंडल रेट की टीम १६ ओवरों में १५४ रन बनाकर आउट हो गई। दूसरा मुकाबला होटल रेस्टोरेंट एसोसिएशन और व्यापार मंडल तल्लीताल के मध्य खेला गया। इसमें होटल रेस्टोरेंट एसोसिएशन की टीम ने निर्धारित २० ओवरों में आठ विकेट पर १७६ रन बनाए। जवाब में व्यापार मंडल तल्लीताल की टीम १६ ओवरों में १३५ रन बनाकर आउट हो गई। मैच के निर्णायक मोहम्मद बिलाल, आनंद मेहता, सतीश उपाध्याय व विनीत पाठक रहे।

पुलिस ने कारोबारियों से पर्यटन सीजन को मांगे सुझाव

नैनीताल (आरएनएस)। पुलिस की ओर से बुधवार को आगामी पर्यटन सीजन को बेहतर बनाए जाने के उद्देश्य से पर्यटन कारोबारियों के साथ बैठक कर सुझाव मांगे गए। इस दौरान व्यापारियों व टैक्सी चालकों ने कई बिंदु रखे, जिसके बाद सीजन में व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के लिए कार्य योजना तैयार करने का निर्णय लिया गया। एसएसपी पंकज भट्ट ने पर्यटन कारोबारियों, व्यापार मंडल पदाधिकारियों, टैक्सी संचालकों व स्थानीय लोगों के साथ बैठक की। इसमें उन्होंने आगामी पर्यटन सीजन को बेहतर बनाने के लिए सुझाव मांगे। कारोबारियों ने एसएसपी के सामने तल्लीताल क्षेत्र में बाहरी टैक्सी चालकों द्वारा डग्गामारी करने, हरिनगर क्षेत्र में नशेड़ियों का जमावड़ा रहने, बिड़ला रोड में सड़क किनारे वाहन पार्क रहने से अक्सर जाम की स्थिति होने समेत तमाम समस्याएं रखीं और सुझाव भी दिए। इस पर एसएसपी ने कहा कि जल्द सुझाव पर विचार करने के बाद उन्हें धरातल पर उतारा जाएगा। इस दौरान उन्होंने तल्लीताल थाने का निरीक्षण भी किया। उन्होंने मालखाना, कर्मचारी बैरक, मेस समेत स्वच्छता संबंधी इंतजाम परखे। उन्होंने एसओ रोहिताश सिंह सागर को साफ–सफाई बनाए रखने समेत अन्य अहम निर्देश दिए। यहां सीओ संदीप नेगी, एसओ रोहिताश सिंह सागर, व्यापार मंडल अध्यक्ष मारुति नंदन साह, सचिव अमनप्रीत सिंह, मनोज जोशी, चंदन सिंह, गिरीश पंत, ललित जोशी, भगवान सिंह, महफूज हुसैन, सुनील कुमार, पप्पू कर्नाटक आदि रहे।

19 लाख की ठगी के दो आरोपी एनसीआर से गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। फेसबुक दोस्त बनकर एयरपोर्ट से पार्सल छुडाने के नाम पर 19 लाख रूपये की ठगी करने वाले दो लोगों को एसटीएफ ने दिल्ली एनसीआर से गिरफ्तार कर लिया। दोनों के तार नाईजीरिया से जुडे हैं।

आज यहां इसकी जानकारदी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि हल्द्वानी निवासी एक व्यक्ति से फेसबुक पर दोस्ती कर उपहार तथा नकदी भेजने की बात कहकर एयरपोर्ट पर पार्सल में नकदी व स्वर्ण आभूषण होने की बात कहकर पार्सल छुड़ाने के नाम पर कस्टम शुल्क आदि के नाम पर लगभग 19 लाख की ध नराशि की ठगी की घटना को अंजाम दिया गया । जिस पर थाना मुखानी जनपद नैनीताल में मुकदमा दर्ज किया गया । चूंकि, साईबर अपराधी द्वारा इस घटना को पेशेवर तरीके से करते हुये एक बड़ी धनराशि की ठगी की गयी थी। मामले की जांचसाईबर क्राईम पुलिस स्टेशन कुमाऊं परिक्षेत्र के सुपुर्द कर टीम गठित की गयी। गठित साईबर पुलिस टीम द्वारा फेसबुक से सम्पर्क कर फर्जी फेसबुक आई०डी० के बारे में पत्राचार कर आई०डी० के डिटेल्स प्राप्त किये गये तो जानकारी हुयी कि यह फेसबुक दिल्ली से संचालित की जा रही है तथा घटना में प्रयुक्त मोबाईल नम्बर, वाट्सअप नम्बर जिससे पीडित को मैसेज व कॉल की जाती थी, जांच में फर्जी आई०डी० पर आवंटित होने पाये गये । पीडित से धोखाधड़ी से जो धनराशि जिन बैंक खातो में प्राप्त की गयी जांच में उक्त खाते में अंकित पते दिल्ली, दिल्ली एनसीआर, मुम्बई व पूर्वोत्तर राज्यों से सम्बन्धित पाये गये । घटना में प्रयुक्त बैंक खाते व मोबाईल नम्बरों के तकनीकी विश्लेषण हेतु टेलीकॉम कम्पनियों से प्राप्त विवरण का गहनता से विश्लेषण के पश्चात पता तस्दीक कर पुलिस टीम को दिल्ली, एनसीआर, उत्तर प्रदेश रवाना किया गया । जिस दौरान पुलिस टीम को काफी अहम सुराग हाथ लगे। जिसके बाद घटना में शामिल दो लोगों को गिरफ्तार किया गया जिन्होंने अपने नाम सूरज कुमार तमांग पुत्र चंद्रवीर तमांग निवासी पंचपाड़ा रोड़ पोस्ट ऑफिस बदरताला थाना मटिया पंश्चिम बंगाल, विक्रम लिम्बू पुत्र मोहन लिम्बू निवासी गुरुंग बस्ती नियर अरुण फोटो स्टूडियो जिला दार्जिलिंग पश्चिम बंगाल हाल निवासी हाल निवासी किरायेदार फ्लैट नम्बर ३५३ फस्ट फ्लोर सूर्या रेजिडेन्सी मुनिरिका विलेज, थाना किशनगढ़ जिला साउथ वेस्ट दिल्ली बताया। पुलिस ने उनके कब्जे से घटना में प्रयुक्त मोबाईल फोन, एटीएम कार्ड तथा बड़ी मात्रा में बैंक पासबुक व चौकबुक बरामद हुयी है। एसटीएफ एसएसपी ने बताया कि दोनों के तार नाइजीरियन गिरोह से जुडे हैं जिसकी जांच की जा रही है।

तीन वारन्टी गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। वारंटियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने तीन वारटियों का गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

जानकारी के अनुसार फरार वांरटियों के खिलाफ चलाये जा रहे अभियान के तहत कोतवाली ज्वालापुर पुलिस ने तीन वारंटियों को आज सुबह गिरफ्तार कर लिया है। जिनके नाम अमजद पुत्र गुलाम रसूल, तस्लीम उर्फ गुड्डू पुत्र गुलाम रसूल व सुलेमान पुत्र गुलाम रसूल निवासी लोधामंडी ज्वालापुर बताया गया है। जिन्हे पुलिस द्वारा न्यायालय में पेश कर दिया है।

नतीजे तय करेंगे प्रदेश का भविष्यः जोशी

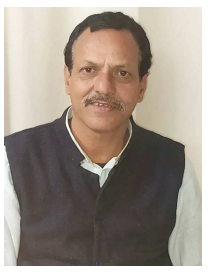

संवाददाता

देहरादून। प्रदेश कांग्रेस सचिव महेश जोशी ने कहा कि नतीजे प्रदेश का भविष्य तय करेगें। जहां पिछले पांच वर्षों में प्रदेश का विकास प्रभावित हुआ है वहीं सरकार अपने ही फैसले पलटने में लगी रही। जिससे प्रदेश का विकास बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

उन्होंने प्रदेश की जनता का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होने जिस उत्साहपूर्ण ढंग से लोकतंत्र के महापर्व में बढ़ चढ़ कर भाग लिया है वह बधाई के पात्र है। उन्होंने कहा कि महिलाएं घर से बाहर निकल कर लंबी–लंबी लाइनों में खड़ी हुई थी, जो इस ओर इशारा है कि उन्होने महंगाई के खिलाफ वोट दिया दिया है। कहा कि इस चुनाव में देखा गया कि युवाओं का सरकार के प्रति आक्रोश है, साथ ही कर्मचारी वर्ग भी सरकार से खफा दिखा। कहा कि हर वर्ग की सरकार के खिलाफ विरोध एंटीइंकम्बेसी साफ दिखाई दी। जो इस ओर इशारा कर रही है कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनने जा रही है।

भितरघात का रोनाः हार की जिम्मेदार दूसरों पर थोपने की पूर्व तैयारी

संवाददाता

देहरादून। मतदान के बाद प्रदेश के कई हिस्सों से भितरघात का रोना सुनायी दिया जिसका सीधा मतलब लगाया जा सकता है कि रोने वाला अपनी हार के डर से पहले ही अपने हार का जिम्मेदार दूसरों को बनाना चाहता है और कहीं गलती से जीत गये तो वह उसकी अपनी उपलब्धि होगी।

उत्तराखण्ड चुनाव में मतदान के बाद सभी दल दस मार्च का इंतजार में लग गये। इसी दौरान कई जगहों से भितरघात का रोना सुनायी देने लगा। किसी ने अपनी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पर भितरघात का आरोप लगाया तो किसी ने कार्यकर्ताओं पर इस बात का जिम्मेदार ठहरा दिया। पहले एक दो लोग ही यह रोना रोते दिखायी दिये उसके बाद तो जैसे लाइन लग गयी हों। जहां से देखो वहीं से भितरघात की आवाजें सुनायी देने लगी। कोई पार्टी कार्यकर्ताओं को इसका जिम्मेदार मान रहा था कि

कार्यकर्ताओं ने उसके लिए काम नहीं किया जिससे वह हार सकता है तो किसी ने यह बात रखी कि जो लोग टिकट की दौड में शामिल थे उन्होंने उसके विरोंध में काम किया तथा दूसरी पार्टी के प्रत्याशी को इसका फायदा पहुचाया है। अधि कांश यह आरोप भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशियों ने लगाये थे। अब सोचने वाली बात है कि जब पार्टी हाईकमान अपनी सरकार बनाने के दावे कर रहा है और कार्यकर्ता को भी पूरी तरह से यही कहते फिर रहे हैं कि उनकी जीत सुनिश्चित है तो फिर प्रत्याशी को ऐसा क्यों लग रहा है कि वह हार रहा है या फिर कम अंतर से जीत रहा है। जिन कार्यकर्ताओं पर वह भितरघात का आरोप लगा रहे हैं वही कार्यकर्ता अपनी जीत को सुनिश्चित मान रहे हैं तो प्रत्याशी को कहां से सूचना मिली कि वह हार रहा है। यहां यह भी काफी चौंकाने वाली बात है कि राष्ट्रीय दलों के प्रत्याशियों को भितरघात का खतरा सता रहा है वहीं क्षेत्रीय दल उनसे अलग अपनी जीत मानकर चल रहे हैं। तो फिर यह ऐसा क्यों रोना रो रहे हैं। इससे यह बात तो साफ हो जाती है कि भितरघात की बात करने वाले पहले से ही ग्राउण्ड बनाकर चल रहे हैं कि अगर हार गये तो हमने तो पहले ही भितरघात का आरोप लगाया था और अपनी नाकामयाबी को भितरघात से छिपा लिया जायेगा और कहीं गलती से जीत गये तो यह उनकी अपनी उपलब्धियों में गिना जायेगा कि यह तो उसकी अपनी मेहनत थी जोकि वह जीत गया। हार गये तो भितरघात हार गये तो अपनी मेहनत यह सही है।

आपके कई कामों को आसान बना देंगे पैट्रोलियम जेली से जुड़े ये हैक्स

अधिकतर लोग पैट्रोलियम जेली का इस्तेमाल रूखी त्वचा को मॉइश्चराइज करने के लिए करते हैं। शायद इसलिए यह कई लोगों की स्किन केयर रूटीन का अहम हिस्सा है। हालांकि, पैट्रोलियम जेली का इस्तेमाल सिर्फ यहीं तक सीमित नहीं है। आप चाहें तो इसका इस्तेमाल अपने कई कामों को आसानी से करने और कई चीजों के विकल्प के तौर पर कर सकते हैं। आइए आज पैट्रोलियम जेली से जुड़े कुछ बेहतरीन हैक्स के बारे में जानते हैं।

फटी उंगलियों को करें ठीक

ठंडी हवा, शुष्क मौसम, केमिकल युक्त साबुन से हाथों को बार-बार धोना या कठोर केमिकल प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल आदि कारणों से उंगलियां फट सकती हैं। अगर आपकी उंगलियां भी किसी कारणवश फट रही हैं तो आप प्रभावित हिस्से पर पैट्रोलियम जैली हल्के हाथों से लगाकर छोड़ दें। जब तक समस्या से राहत न मिल जाए तब तक प्रभावित हिस्से पर पैट्रोलियम जेली लगाते रहें क्योंकि यह घाव भरकर उंगलियों को ठीक करने में मदद कर सकती है।

बतौर लिपबाम करें इस्तेमाल

आजकल मार्केट में कई तरह की लिपबाम मौजूद हैं, लेकिन उनमें से अधिकतर केमिकल युक्त होती हैं, इसलिए बेहतर होगा कि आप उनका ज्यादा इस्तेमाल करने से बचें। आप चाहें तो पैट्रोलियम जेली को बतौर लिपबाम लगा सकते हैं क्योंकि यह लिपबाम की तरह आपके होंठों को रूखेपन और फटने से बचा सकती है। अपने होंठों को हाइड्रेट रखने और हर समय धूप से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए एक पैट्रोलियम जेली हमेशा अपने पास रखें।

त्वचा से हेयर कलर साफ करने के लिए करें इस्तेमाल

अगर आपसे अनजाने में अपनी त्वचा पर हेयर कलर लग गया है तो इसे साफ करने के लिए आप पेट्रोलियम जेली का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसके लिए थोड़ी सी पैट्रोलियम जेली को कॉटन पैड पर लगाएं, फिर इसे त्वचा के उस हिस्से पर हल्के हाथों से रगड़े जहां हेयर कलर लगा है। हो सकता है कि आपको इससे तुरंत फायदा न हो, लेकिन अगर आप बार-बार ऐसा करते हैं तो यकीनन हेयर कलर साफ हो जाएगा।

पीठ में दर्द होने पर इन एसेंशियल ऑयल का करें इस्तेमाल, जल्द मिलेगा आराम

गलत पॉश्चर, मांसपेशियों में खिंचाव या किसी तरह की अंदरूनी चोट आदि कई कारण हैं, जिनसे पीठ में दर्द हो सकता है और इसके कारण आपको चलने-फिरने से लेकर उठने-बैठने में काफी दिक्कत हो सकती है। इसलिए पीठ के दर्द से जल्द छुटकारा पाने के लिए लोग पेनकिलर खा लेते हैं, लेकिन यह स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे एसेंशियल ऑयल्स के बारे में बताते हैं, जिनके इस्तेमाल से पीठ दर्द जल्द दूर होगा।

जिंजर एसेंशियल ऑयल

पीठ दर्द से राहत पाने के लिए जिंजर एसेंशियल ऑयल का इस्तेमाल करना लाभदायक साबित हो सकता है। समस्या से राहत पाने के लिए सबसे पहले एक मुलायम तौलिए को गर्म पानी (ध्यान रखें कि पानी ज्यादा गर्म न हो) में भिगोएं, फिर इसे निचोड़कर इस पर दो-तीन बूंद जिंजर ऑयल की डालें। इसके बाद तौलिए को पीठ पर लगाएं और जब तौलिए का एक हिस्सा ठंडा हो जाए तो इसे पलटकर पीठ पर लगाएं।

पेपरमिंट एसेंशियल ऑयल

पेपरमिंट एसेंशियल ऑयल भी पीठ के दर्द से छुटकारा दिला सकता है। इस तेल में एंटी-स्पास्मोडिक और दर्द निवारक गुण होते हैं, जो पीठ की मांसपेशियों को आराम देने का काम कर सकते हैं। दर्द से राहत पाने के लिए पुदीने के तेल की कुछ बूंदें पीठ के प्रभावित हिस्से पर लगाकर मालिश करें। इसके अलावा, आप चाहें तो पानी में पेपरमिंट ऑयल की कुछ बूंदें मिलाकर नहा भी सकते हैं। इससे भी आपको आराम मिलेगा।

नीलगिरी एसेंशियल ऑयल

नीलगिरी एसेंशियल ऑयल में एनाल्जेसिक (दर्द निवारक) और एंटी-इंफ्लेमेटरी (सूजन कम करने वाला) प्रभाव पाए जाते हैं। ये प्रभाव पीठ के दर्द से राहत दिलाने में काफी मदद कर सकते हैं। राहत के लिए पहले इस तेल की कुछ बूंदों के साथ एक चम्मच जोजोबा ऑयल या फिर ऑर्गेन ऑयल मिलाएं। अब मिश्रण को उंगलियों की मदद से पीठ पर कुछ मिनट तक हल्के हाथों से मलें। ऐसा दिन में दो से तीन बार करें।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

खाली पेट जूस पीना सेहत के लिए नुकसानदायक

क्या आप जानते हैं कि खाली पेट जूस पीना सेहत के लिए काफी नुकसानदायक साबित हो सकता है। रात के खाने और सुबह की डाइट में कम से कम छह घंटों का अंतर होता है। ऐसे में सुबह खाली पेट जूस का सेवन सीधा पाचन क्रिया पर असर डालता है और आपको सेहत से जुड़ी कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। क्या है खाली पेट फ्रूट जूस पीने के नुकसान। रात के डिनर और सुबह के ब्रेकफास्ट में लम्बा गैप होने के कारण जूस पीने से पेट में कब्ज, एसीडिटी और पेट दर्द जैसी परेशानियां देखने को मिल सकतीं हैं।

वहीं संतरा, मौसमी, नींबू जैसी खट्टी चीजों का भी खाली पेट सेवन बिल्कुल नहीं करना चाहिए। आहार विशेषज्ञों के अनुसार सुबह खाली पेट फ्रूट जूस पीने से पाचन क्रिया काफी प्रभावित होती है। इसलिए खाली पेट न सिर्फ फल बल्कि आंवला, करेला और एलोवेरा जैसी चीजों का जूस पीने से भी बचना चाहिए। वरना इसका असर डाइजेशन पर पड़ता है और खाना आसानी से नहीं पचता है।आमतौर पर गर्मियों के दिनों में फ्रैश और चिल्ड जूस सभी का फेवरेट होता है। लेकिन खाली पेट ठंडा जूस भूल के भी नहीं पीना चाहिए।

इससे म्यूकस मेम्ब्रेन प्रभावित होता है। जो कि पाचन तंत्र खराब करने का काम करता है। अगर आपने कभी भूल से खाली पेट जूस का सेवन कर लिया हो तो, उसके एक घंटे तक कुछ भी खाने से बचें। क्योंकि खाली पेट जूस पीने के बाद अगर आप कुछ खाते हैं, तो आपको उल्टी, मिचली और दस्त की समस्या हो सकती है। खाली पेट जूस पीने से ब्लड शुगर लेवल बढ़ने का खतरा रहता है। इसलिए अगर आप खाली पेट जूस पीते हैं, तो उसमें शुगर की मात्रा कम से कम रखें। वहीं अगर आप डायबिटीज के रोगी हैं, तो खाली पेट जूस का सेवन भूलकर भी न करें। खाली पेट जूस पीने के अलावा वर्कआउट या योगा के बाद भी जूस का सेवन करने से बचना चाहिए।

दरअसल वर्कआउट के बाद आपकी बॉडी का टेम्प्रेचर बढ़ जाता है। जिसके चलते जूस नुकसानदायक साबित हो सकता है। इसलिए वर्कआउट के आधे घंटे बाद ही जूस पीएं। बता दें कि फ्रैश फ्रूट्स को सेहत का खजाना कहा जाता है। कई लोग हेल्दी और फिट रहने के लिए ताजे फलों को अपनी डाइट का अहम हिस्सा मानते हैं। वहीं फ्रैश फ्रूट्स का जूस पोषण से भरपूर होने के साथ-साथ बॉडी के लिए एनर्जी बूस्टर का काम करता है। यही कारण है कि ज्यादातर लोग अपने दिन की शुरूआत फ्रूट जूस से ही करते हैं।

नाभि में जलन और दर्द को न समझें सामान्य समस्याएं

अगर आपको कभी भी अचानक से नाभि में जलन और दर्द की समस्या होने लगे है तो इसे नजरअंदाज न करें क्योंकि इसके कारण आपको उठने-बैठने में काफी दिक्कत हो सकती है। यह पेट में इंफेक्शन के प्रभाव और कुछ जरूरी पोषक तत्वों की कमी के कारण हो सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे घरेलू नुस्खे बताते हैं जिन्हें अपनाकर आप नाभि में होने वाली जलन और दर्द से जल्द राहत पा सकते हैं।

नारियल का तेल एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-माइक्रोबियल गुण के साथ-साथ सूदिंग इफेक्ट से युक्त होता है, जो नाभि की जलन और दर्द को दूर करने में सक्षम हैं। समस्या से राहत पाने के लिए बस आप नारियल के तेल को उंगली की मदद से अपनी नाभि पर लगाकर छोड़ दें ताकि वह अच्छे से त्वचा अब्जॉर्ब हो जाए। आप इस घरेलू नुस्खे को दिन में कई बार दोहरा सकते हैं।

कई बार गैस, अपच या फिर कब्ज जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं के कारण भी नाभि में जलन और दर्द हो सकता है और इसे दूर करने के लिए आप अजवाइन का सेवन कर सकते हैं। समस्या से राहत पाने के लिए आधी चम्मच से थोड़ी कम अजवाइन में थोड़ा काला नमक मिलाएं और फिर गुनगुने पानी के साथ इस मिश्रण की फंकी मारें। इस नुस्खे से आपको काफी जल्दी आराम मिलेगा।

जब भी नाभि में जलन और दर्द की समस्या हो तो इससे राहत पाने के लिए आप सरसों के तेल का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। राहत के लिए सरसों के तेल की कुछ बूंदें नाभि में डालें। ऐसा तीन से चार दिनों तक करें। सरसों के तेल में कुछ ऐसे विशेष गुण मौजूद होते हैं, जो नाभि में होने वाली जलन और दर्द को जल्द दूर करने में सहायक है।

पेट में गैस बनने की वजह से भी नाभि में जलन और दर्द की समस्या हो सकती हैं। पेट में गैस की समस्या दूर करने के लिए हींग का इस्तेमाल करना लाभदायक साबित हो सकता है। समस्या से राहत के लिए पहले एक चुटकी हींग को आधी चम्मच गुनगुने पानी में घोल लें और फिर इसे नाभि में डालकर छोड़ दें।

शब्द सामर्थ्य -141

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे

1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुप्तबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नज़दीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

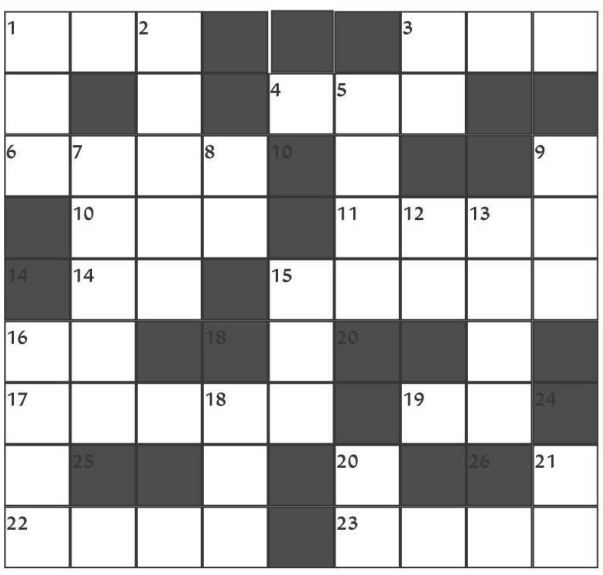

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 140 का हल

अ	भि	षे	क	■	प	स	■	■
जा	त	■	थ	प	थ	पा	ना	■
य	र	का	नी	■	भ्र	■	र	श्मि
ब	घा	र	■	क	ष्ट	प्र	द	■
■	त	ना	त	नी	■	र्व	■	ब
अ	■	मा	■	ज	मा	त	■	ल
स	जा	■	■	■	■	क	ज	रा
बा	■	बे	स	हा	रा	■	ग	म
ब	गु	ला	■	रा	ज	दू	त	■

अभिराम दग्गुबाती ने डेब्यू फिल्म अहिंसा से किया अपना प्री-लुक जारी

राणा दग्गुबाती के छोटे भाई अभिराम दग्गुबाती अपनी आने वाली फिल्म अहिंसा के साथ फिल्मों में आने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

निर्माताओं ने तेजा के निर्देशन में बनी फिल्म का प्री-लुक पोस्टर जारी किया।

निर्देशक तेजा के जन्मदिन के अवसर पर उनके आगामी निर्देशन के निर्माताओं ने अभिराम की विशेषता वाला एक प्री-लुक पोस्टर जारी किया।

यह आगामी फिल्म अभिराम के लिए टॉलीवुड की शुरूआत को चिह्नित करेगी, जो डी रामनैडु के पोते, तेलुगु निर्माता सुरेश दग्गुबाती के बेटे और राणा दग्गुबाती के छोटे भाई हैं।

टाइटल पोस्टर की बात करें तो इसमें अभिराम है, जिसका चेहरा आधा जूट के बैग से ढका हुआ है और उसमें से खून टपक रहा है।

प्री-लुक पोस्टर आकर्षक लग रहा है। इससे यह भी आभास होता है कि महत्वाकांक्षी अभिनेता अभिराम के लिए अहिंसा एक अच्छी शुरूआत होगी।

निर्देशक तेजा-संगीत निर्देशक आरपी पटनायक तेलुगु सिनेमा में एक सफल संयोजन है और उन्होंने अहिंसा के लिए एक साथ हाथ मिलाया है।

यह भी बताया गया कि अहिंसा की पूरी शूटिंग पहले ही हो चुकी है और वर्तमान में पोस्ट-प्रोडक्शन का काम चल रहा है। मेकर्स जल्द ही फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करेंगे।

28 अप्रैल को रिलीज होगी काथुवाकुला रेंदु काधल

निर्देशक विग्नेश शिवन की काथुवाकुला रेंदु काधल इस साल 28 अप्रैल को रिलीज होगी, जिसमें अभिनेता विजय सेतुपति, नयनतारा और सामंथा रूथ प्रभु मुख्य भूमिका में हैं। उदयनिधि स्टालिन के प्रोडक्शन हाउस, रेड जाइंट मूवीज, (जिसने तमिलनाडु के लिए फिल्म के नाटकीय वितरण अधिकार खरीदे हैं) ने ट्वीट किया, प्यार का महीना बेहतर हो गया! काथुवाकुला रेंदु काधल के तमिलनाडु नाट्य वितरण के लिए सेवन स्क्रीन स्टूडियो के साथ हमारे सहयोग की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। 28 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

विजय सेतुपति ने फिल्म में रैम्बो नाम का एक किरदार निभाया है।

समांथा ने जहां खतीजा नाम का एक किरदार निभाया है, वहीं नयनतारा ने फिल्म में कनमनी नाम का एक किरदार निभाया है।

सिनेमैटोग्राफी विजय कार्तिक कन्नन द्वारा शूट की गई इस फिल्म में अनिरुद्ध का संगीत है और इसे श्रीकर प्रसाद ने संपादित किया है।

'रॉकेट ब्वॉयज' में नृत्यांगना मृणालिनी साराभाई के किरदार में खुब जंची रेजिना कैसेंड्रा

ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर रिलीज हुई 'रॉकेट ब्वॉयज' की कहानी डॉ. होमी जहांगीर भाभा और डॉ. विक्रम साराभाई के जीवन के इर्द-गिर्द घूमती है। ये वो लोग थे जिन्होंने भारत के लिए संपन्न, स्वाभिमानी और सशक्त भविष्य के सपने देखे। देशभर में 'रॉकेट ब्वॉयज' को खूब पसंद किया जा रहा है। सीरीज की कहानी, प्रस्तुति, निर्देशन, फिल्मांकन हर स्तर पर बहुत मेहनत की गई है। 'रॉकेट ब्वॉयज' में इश्वाक सिंह ने विक्रम सारा भाई का किरदार निभाया है और जिम सर्भ ने होमी जहांगीर भाभा का। महान नृत्यांगना और साराभाई की पत्नी मृणालिनी स्वामीनाथन के किरदार में रेजिना कैसेंड्रा भी खूब जंचती हैं।

मृणालिनी स्वामीनाथन जानी मानी शास्त्रीय नृत्यांगना रही हैं। मृणालिनी का बचपन स्विट्जरलैंड में बीता। भारत लौटकर उन्होंने प्रसिद्ध नृत्यांगना मीनाक्षी सुंदरम पिल्लई से भरतनाट्यम की ट्रेनिंग ली। 1942 में उनकी शादी विक्रम साराभाई यानी 'फादर ऑफ इंडिया स्पेस प्रोग्राम' से हुई। उन्होंने 18 हजार से अधिक छात्रों को भरतनाट्यम और कथकली में प्रशिक्षण दिया था। डांस में मृणालिनी साराभाई के योगदान को देखते हुए उन्हें कई अवॉर्ड से नवाजा गया। एक तरफ मृणालिनी संगीत की दुनिया में नाम कमा रही थीं वहीं विक्रम साराभाई देश के लिए समर्पित रहे। मृणालिनी के लिए विक्रम साराभाई की पत्नी होना उनके परिचय में बहुत नीचे आता है। 'रॉकेट ब्वॉयज' में रेजिना कैसेंड्रा ने ही इस प्रसिद्ध नृत्यांगना का किरदार अदा किया है।

रेजिना कैसेंड्रा दक्षिण भारत की जानी मानी अभिनेत्री हैं। उन्होंने क्रिश्चियन कॉलेज से मनोविज्ञान में स्नातक किया है। रेजिना जब 9 साल की थी तब उन्होंने बच्चों के चैनल में बतौर एंकर काम किया था।

साउथ इंडस्ट्री की 25 से अधिक फिल्मों में काम करने के बाद रेजिना कैसेंड्रा ने 'एक लड़की को देखा तो ऐसा लगा' से बॉलीवुड में एंट्री की थी। इस फिल्म में उन्होंने लेस्बियन का किरदार निभाया था। इसके अलावा उन्हें कंगना रणौत की फिल्म थलाइवी में भी देखा गया था। कैसेंड्रा ने रॉकेट बॉयज सीरीज के साथ अपना ओटीटी डेब्यू किया है। रेजिना तेलुगु फिल्मों में ज्यादा नजर आती हैं।

रेजिना कैसेंड्रा ने 'रॉकेट ब्वॉयज' में बेहद शानदार अभिनय किया है। महान शास्त्रीय नृत्यांगना मृणालिनी के रोल में वे बेहद फिट बैठी हैं। इसके लिए उन्होंने भरतनाट्यम की ट्रेनिंग ली है। सीरीज में कई जगह उनका किरदार आंखों से अभिनय करता दिखाई देता है।

सबा आजाद के साथ घर बसाने को तैयार हैं ऋतिक!

ऋतिक रोशन पिछले कुछ समय से अभिनेत्री सबा आजाद को डेट कर रहे हैं। दोनों को कई बार एक-दूसरे के साथ देखा जा चुका है। खबर है कि दोनों अपनी इस रिलेशनशिप को लेकर काफी सीरियस हैं और अब वे अपने रिश्ते में एक कदम आगे बढ़ना चाहते हैं। सुनने में आ रहा है कि ऋतिक, सबा के साथ अपने रिश्ते को अब शादी का नाम देना चाहते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, ऋतिक, सबा के साथ अपने रिश्ते को लेकर काफी गंभीर हैं। हालांकि, वह जल्दबाजी करने के मूड में बिल्कुल नहीं हैं। ऋतिक और सबा साथ में काफी अच्छा वक्त बिताते हैं। ऋतिक ने सबा से शादी करने का मन बना लिया है। हालांकि, वह धीरे-धीरे अपने रिश्ते में आगे बढ़ना चाहते हैं। वह अपने इस रिश्ते को निजी रखना चाहते हैं, इसलिए उनकी शादी में भी धूम-धड़ाका नहीं होगा। यह एक छोटा और निजी समारोह होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, ऋतिक और सबा पिछले दो-तीन महीने से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि ऋतिक ने जब ट्विटर पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें सबा और एक रैपर थे, उसी के बाद से दोनों की दोस्ती शुरू हुई। ऋतिक के वीडियो शेयर करने के बाद सबा ने उन्हें शुक्रिया भी कहा था। इसके बाद ही दोनों के बीच बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ और उनकी दोस्ती हो गई।

ऋतिक ने पिछले संडे सबा को अपने परिवार से भी मिलवाया। फोटो में सबा और ऋतिक काफी खुश नजर आ रहे थे। खास बात यह थी कि ऋतिक के चाचा राजेश रोशन ने यह तस्वीर सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। इसे शेयर कर उन्होंने लिखा था, खुशियां हमेशा आपके पास ही होती हैं... खासकर संडे के दिन। खासकर लंच टाइम पर। इस पोस्ट पर ऋतिक ने लिखा, हाहाहा, सही कहा चाचा, वहीं सबा ने कमेंट किया, सबसे बढ़िया संडे।

32 साल की सबा आजाद पेशे से संगीतकार, गीतकार और अभिनेत्री हैं। 2008 में फिल्म दिल कबड्डी से उन्होंने बॉलीवुड डेब्यू किया था। सबा चार से पांच बॉलीवुड फिल्मों का हिस्सा रही हैं। वह आखिरी बार 2021 में फिल्म फीलस लाइक इश्क में दिखी थीं।

20 दिसंबर, 2000 को ऋतिक, सुजैन खान के साथ शादी के बंधन में बंधे थे। शादी के छह साल बाद 2006 में ऋहान और 2008 में ऋद्धान का जन्म हुआ। 13 दिसंबर, 2013 को ऋतिक और सुजैन ने अपना 13 साल का रिश्ता खत्म कर दिया था। 2014 में सुजैन और ऋतिक का तलाक हो गया था। हालांकि, तलाक के बावजूद दोनों के बीच दोस्ती का रिश्ता बरकरार है। उन्हें कई मौकों पर साथ देखा जा चुका है।

विक्रम वेधा से सैफ का फर्स्ट लुक रिलीज

आगामी थ्रिलर फिल्म विक्रम वेधा के निर्माताओं ने अभिनेता सैफ अली खान का पहला लुक रिलीज किया, जो फिल्म में एक सख्त पुलिस वाले की भूमिका निभाते नजर आएंगे। सैफ के विक्रम वेधा के सह-अभिनेता ऋतिक रोशन ने सोशल मीडिया पर उनके किरदार का परिचय दिया। उन्होंने फिल्म के सेट से अभिनेता की एक तस्वीर साझा की और लिखा- विक्रम।

फोटो में, सैफ नीली जींस के साथ एक सादे सफेद टी-शर्ट पहने काफी हैंडसम लग रहे है। फिल्म में पुलिस अधिकारी विक्रम के रूप में सैफ का माचो अवतार फैंस को काफी पसंद आ रहा हैं।

फिल्म में ऋतिक और सैफ अली खान मुख्य भूमिका में हैं, जबकि राधिका आप्टे फीमेल लीड हैं। पुष्कर और गायत्री, मूल और हिंदी रिमेक के लेखक और निर्देशक है।

इस फिल्म के ऑरिजनल तमिल ब्लॉकबस्टर में आर. माधवन और विजय सेतुपति ने अभिनय किया है।

विक्रम वेधा गुलशन कुमार, टी-सीरीज फिल्म्स और रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा फाइडे फिल्मवर्क्स और वाईनॉट स्टूडियोज प्रोडक्शन के सहयोग से प्रस्तुत किया गया है। यह फिल्म पुष्कर और गायत्री द्वारा निर्देशित और एस शशिकांत और भूषण कुमार द्वारा निर्मित है। विक्रम वेधा 30 सितंबर को दुनियाभर में बड़े पर्दे पर दस्तक देगी।

फिल्म द आर्चीज में आर्ची का रोल करेंगे अमिताभ के नाती अगस्त्य नंदा

निर्देशक जोया अख्तर काफी समय से अपनी फिल्म द आर्चीज को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। अब इस प्रोजेक्ट से जुड़ी एक रोचक जानकारी सामने आ रही है। खबरों की मानें तो सदी के महानायक अमिताभ बच्चन के नाती अगस्त्य नंदा इस फिल्म में आर्ची का रोल करेंगे। अगस्त्य अमिताभ की बेटी श्वेता बच्चन नंदा और बिजनेसमैन निखिल नंदा के बेटे हैं।

रिपोर्ट के अनुसार, जोया की फिल्म द आर्चीज में अगस्त्य आर्ची का किरदार निभाने वाले हैं। एक सूत्र ने कहा, श्वेता बच्चन के बेटे अगस्त्य जोया की फिल्म में आर्ची की भूमिका निभाएंगे, जिसमें शाहरुख खान की बेटी सुहाना खान भी नजर आएंगी। इन दो स्टारकिड्स के अलावा गैर फिल्मी बैकग्राउंड के युवा कलाकार भी फिल्म का हिस्सा बनेंगे। जोया ने युवा कलाकारों के बहुत सारे ऑडिशन किए हैं, जो फिल्म का हिस्सा होंगे।

कुछ दिनों पहले ही अगस्त्य को शाहरुख की बेटी सुहाना और फिल्म निर्माता जोया के साथ स्पॉट किया गया था। अगस्त्य और सुहाना दोनों ही इस फिल्म के साथ एक्टिंग में अपना डेब्यू करेंगे। सूत्र ने बताया कि एक्टिंग की बारीकियों को सीखने के लिए अगस्त्य क्लासेस ले रहे हैं। जहां बहन नव्या नवेली नंदा को एक्टिंग में दिलचस्पी नहीं है, वहीं अगस्त्य को अभिनय में काफी रुचि है। 24 वर्षीया नव्या अपने पापा का बिजनेस संभाल रही हैं।

खबरों की मानें तो सुहाना पर मेकर्स अलग-अलग लुक ट्राई कर रहे हैं। सुहाना ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक तस्वीर शेयर की थी, जिसमें वह लाल रंग की साड़ी में दिखी थी। कहा जा रहा है कि यह लुक उनकी तैयारी का हिस्सा था।

द आर्चीज से अनन्या पांडे और बोनी कपूर की छोटी बेटी खुशी कपूर का नाम भी जुड़ा हुआ है। नेटफ्लिक्स ने इस फिल्म के लिए आर्ची कॉमिक्स से करार किया है। यह भारत के 1960 के दशक की पृष्ठभूमि में बनेगी। आर्ची की कहानी टीनेज पर है, जो कुछ दोस्तों के इर्दगिर्द घूमती है। जोया ने कहा था, जल्द ही नेटफ्लिक्स पर आ रहा है आर्ची का देसी वर्जन द आर्चीज। मैं इसका निर्देशन करने के लिए उत्साहित हूं।

जोया अपनी आगामी फिल्म खो गए हम कहां को लेकर भी सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में अनन्या, सिद्धांत चतुर्वेदी और आदर्श गौरव नजर आएंगे। जोया इस फिल्म की लेखक हैं। दूसरी तरफ वह अपने पिता जावेद अख्तर और उनके जोड़ीदार रहे सलीम खान पर एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाने वाली हैं। सलीम-जावेद की यह बायोपिक सच्ची घटना से प्रेरित होगी। वह रणवीर सिंह और कैटरीना कैफ को लेकर भी एक फिल्म का निर्देशन कर सकती हैं।

फिर रुलाएगी कच्चे तेल की महंगाई

मधुरेन्द्र सिन्हा

कोरोना की मार से त्रस्त दुनिया को अब कच्चे तेल की मार पड़ रही है। दुनिया के बहुत कम देशों में उत्पादित होने वाला कच्चा तेल इन दिनों 1०० डॉलर प्रति बैरल के पास जाने को बेताब है। इसका असर सारी दुनिया पर पड़ रहा है और उनकी इकॉनमी झटके खा रही है। तेल का उत्पादन करने वाले प्रमुख देशों के संगठन ओपेक ने इसकी कीमतों को बढ़ाने के लिए इसके उत्पादन में कटौती कर दी है। अभी वैश्विक स्तर पर जितने तेल की मांग है, रोज उससे 9 लाख बैरल कम की सप्लाई हो रही है। दो साल से भी कम समय में कच्चे तेल की कीमतें जीरो डॉलर से बढ़कर 1०० डॉलर के करीब पहुंचती दिख रही हैं। याद रहे 2०2० में ही ऐसा भी समय आया था जब कच्चे तेल की कीमतें शून्य डॉलर पर जा पहुंची थीं। वेस्ट टेक्सस इमीडियेट क्रूड तो माइनस 4० डॉलर तक चला गया था।

समंदर में तेल टैंकर

उस दौरान कई सक्षम देश बड़े-बड़े ऑयल टैंकरों में भर-भर कर तेल समंदर में तैराते रहे क्योंकि उन देशों में उतनी बड़ी मात्रा में तेल भंडारण की व्यवस्था नहीं थी। तेल निकालने की जितनी बड़ी योजनाएं चल रही थीं, निवेश के जो काम हो रहे थे, वे सभी ठप हो गए थे। जो देश तेल में निवेश कर रहे थे या नया इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार कर रहे थे, वहीं ठहर गए। बीपी, शेल जैसी कंपनियों ने उत्पादन में भारी कटौती कर दी, ऑयल इंडस्ट्री बैठ गई थी। उसका भविष्य अंधकारमय दिख रहा था।

लेकिन कुछ ही समय बाद जब कोरोना का प्रभाव कम हुआ तो तेल की कीमतें चढ़ने लगीं और वे इस स्तर पर जा पहुंची हैं कि दुनिया का पारा गरम हो गया है। अब चारों ओर हाहाकार मचा है क्योंकि दुनिया में मुट्ठी भर देश ही कच्चे तेल का उत्पादन करते हैं। मिडल ईस्ट के बाद अमेरिका, रूस, वेनेजुएला ही बड़े उत्पादक हैं जबकि ग्राहक सारी दुनिया है। बदले हालात में अमेरिका भी, जो दुनिया में सबसे ज्यादा क्रूड ऑयल की खपत करता है, इंपोर्टर बन गया है। ध्यान रहे, अमेरिका शेल टेक्नॉलजी का बादशाह है। महामारी के पहले वह हर दिन इस टेक्नॉलजी के जरिये 4० लाख बैरल तेल का उत्पादन करता था। लेकिन जब तेल बहुत सस्ता हो गया तो उसने इसमें निवेश बंद कर दिया, कर्मचारियों को निकाल दिया और तेल कुंओं को ढंक दिया। नतीजतन, जब कीमतें आकाश छू रही हैं तो उसे तेल आयात करना पड़ रहा है।

भारत भी कोई अपवाद नहीं है। हम अपनी कुल जरूरत का 8० फीसदी तेल आयात करते हैं और यह हमेशा हमारी इकॉनमी पर दबाव डालता रहता है। इस समय हमारे कुल आयात बिल का 25 फीसदी कच्चे तेल पर खर्च होता है। इस कारण हमारा करंट अकाउंट का घाटा भी बड़ा होता जा रहा है। याद रखना चाहिए कि इन सबके बीच देश में दहाई अंकों में थोक महंगाई भी बढ़ रही है। हमारे राजस्व घाटे पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ता है। भारत एक्सपोर्ट सरप्लस देश नहीं है और इसलिए यह हमारे बजट पर असर डालता है क्योंकि बजट बनाते समय क्रूड ऑयल की कीमतों को ध्यान में रखा जाता है। इस समय हमारा बजट ऐसा बना हुआ है कि वह 6० डॉलर के आसपास की कीमतों को झेल सकता है। जाहिर है, सरकार के पास देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतों को बढ़ाने के अलावा और कोई चारा नहीं रह गया है। लेकिन चूंकि देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हो रहे हैं, इसलिए इस समय कीमतें स्थिर कर दी गई हैं। तेल कंपनियां जैसे इंडियन ऑयल वगैरह कीमतें बढ़ा नहीं रही हैं जिससे जनता को फिलहाल राहत है। लेकिन चुनाव खत्म होने के साथ तेल के दाम में 7-8 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी हो सकती है।

इस बार के बजट में जो आर्थिक प्रावधान किए गए हैं, वे सभी ये मानकर किए गए हैं कि क्रूड ऑयल की कीमतें 7० से 75 डॉलर प्रति बैरल पर होंगी। इसके आधार पर ही अनुमान लगाया गया है कि भारतीय इकॉनमी 2०22-23 में 8.8 फीसदी की दर से बढ़ेगी। वर्तमान कीमतें खतरे की घंटी हैं और सरकार को उससे निबटना ही होगा। यह सही है कि भारत तेल की स्पॉट बाइंग नहीं करता और दीर्घकालीन सौदे करता है। लेकिन स्पॉट और फ्यूचर्स मार्केट की कीमतों का असर उस पर भी पड़ता है। अभी यूक्रेन संकट के कारण तेल का बाजार गर्म हो रहा है। रूस से आपूर्ति पर असर पड़ रहा है। वैसे भी जब दुनिया में जंग के हालात होते हैं तो कच्चे तेल की कीमतें उबलने लगती हैं। यही हालत इस समय भी है।

इलेक्ट्रिक वाहनों पर जोर

कच्चे तेल की बढ़ी हुई कीमतों के कारण देश में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़े हैं और इसका असर महंगाई दर पर पड़ा है। जनवरी में देश में थोक महंगाई की दर 12.96 फीसदी पर थी, जो बहुत ज्यादा है। इस समय खाने-पीने की चीजों की कीमतों में तेजी आने का मुख्य कारण महंगा डीजल ही है। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने हालांकि अपने बयान में इस पर चिंता जताई है लेकिन उन्होंने रेपो रेट में बदलाव नहीं किया यानी ब्याज दरें नहीं बढ़ाईं।

तेल की कीमतें अर्थशास्त्र के मांग-आपूर्ति के साधारण नियम पर चल रही हैं। इस समय मांग बहुत है और सप्लाई कम। जैसे-जैसे इसमें बदलाव होगा, इसकी कीमतें घटती जाएंगी। भारत में जिस रफ्तार से सरकार इलेक्ट्रिक दोपहियों और कारों के निर्माण पर जोर डाल रही है, वह समय दूर नहीं कि हम क्रूड ऑयल की कीमतों के जाल से बाहर निकल जाएंगे। दुनिया के कई बड़े देश इलेक्ट्रिक कारों के विकास पर जोर लगा रहे हैं जिसका अच्छा परिणाम निकल कर जरूर आएगा।

वलिमै ने दो दिन में किये 1०० करोड़ के पार, अन्नाथे का रिकार्ड टूटा!

उम्मीदों से परे जाते हुए साउथ सुपरस्टार अजीत की फिल्म वलिमै ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन 7० करोड़ से ज्यादा का कारोबार करते हुए दक्षिण भारतीय निर्माताओं को नई उम्मीद की किरण दिखाई है। सिने उद्योग के गलियारों में कहा जा रहा है कि इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर दो दिन में 1०० करोड़ से ज्यादा का कारोबार करते हुए रजनीकांत की अन्नाथे को पीछे छोड़ दिया है जिसने अपने प्रदर्शन के 3रे दिन 1०० करोड़ के क्लब में जगह बनाई थी। हालांकि अभी तक वलिमै के दूसरे दिन के आंकड़ों को जारी नहीं किया गया है। फिल्म ने तमिलनाडु में 36 करोड़ रुपए का कलेक्शन कर इस राज्य में सबसे ज्यादा कलेक्शन करने का रिकॉर्ड कायम कर लिया है। कोरोनाकाल के बाद से ही साउथ इंडस्ट्री की फिल्में लगातार बेहतरीन ओपनिंग और बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की कमाई से रिकॉर्ड बना रही हैं। इस फिल्म को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है। फिल्म की एडवांस बुकिंग के भी आंकड़ें शानदार रहे थे। यह अजीत की पहली पैन इंडिया फिल्म है। इस फिल्म को तमिल के अलावा तेलुगु और हिंदी भाषा में भी एक साथ रिलीज किया गया था। फिल्म को लेकर तमिल ही नहीं, तेलुगु और हिंदी भाषी दर्शकों में भी भारी क्रेज था। सामने आ रही ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म ने अकेले तमिलनाडु से 36 करोड़ रुपये की कमाई की है। अकेले तमिलनाडू में ही इस फिल्म को 65० से ज्यादा स्क्रीन्स पर रिलीज किया गया था। ये रकम तमिलनाडु में अभी तक की सबसे बड़ी बताई जा रही है।

आम आदमी जैसा बजट का हश्र

सहीराम

बजट का हाल भी आम आदमी जैसा हो ही गया है जी! जैसे आम आदमी को कोई नहीं पूछ रहा, वैसे ही बजट को भी कोई नहीं पूछ रहा। माना जा रहा है कि भैया चुनाव के वक्त आएगा, तो बजट का हाल भी वैसा ही होगा, जैसा चुनाव के वक्त नेता का हो जाता है। बोले तो आम आदमी से भी बुरा। जिस नेता की छाया तक में कोई नहीं पहुंच सकता, चुनाव के वक्त उसी नेता को ऐसे कोंचा जाता है जैसे तमाशा दिखाने के लिए मदारी बंदर को कोंचता है। अमृत काल के बजट का हाल अमृत काल के लोकतंत्र-सा हो गया है। वरना जनाब एक जमाना था जब बजट के इस सीजन में बजट आने से एक महीने पहले उसकी चर्चा शुरू होती थी और कम से कम एक महीने बाद तक तो चलती ही थी। उस जमाने में बजट का हाल कुछ-कुछ जुबली फिल्म जैसा होता था। हाल तो उसका अब भी किसी फिल्म जैसा ही है। फर्क बस यही है कि जैसे अब फिल्म एक हफ्ते में उतर जाती है, वैसे ही बजट पर चर्चा भी अब एक हफ्ते से ज्यादा नहीं चलती। टीवी चैनलों के पास अब अर्थशास्त्रियों के पैनल नहीं होते, उन लोगों के होते हैं जो मुर्गों की तरह लड़ने में माहिर होते हैं।

एक जमाने में बजट का जलवा ऐसा था जनाब कि संसद सत्र का नाम तक बजट सत्र पड़ गया था। लेकिन अब इसमें बजट पर सिर्फ इतनी ही चर्चा होती है कि सरकारी पक्ष इसे सर्वोत्तम बताता नहीं थकता और विपक्ष इसे बदतरीन करार देता नहीं थकता। सत्ता पक्ष आंकड़े देकर इसकी श्रेष्ठता साबित करने की कोशिश करता है तो विपक्ष तो सरकार के आंकड़ों को ही फर्जी मानता है। एक जमाने में फर्जी मतदान होता था, फर्जी एनकाउंटर होते थे। अब फर्जी आंकड़े होते हैं। वरना उस जमाने को याद कीजिए जनाब जब पनवाड़ी तक को बजट आने का इंतजार रहता था और बजट आते ही वह सिगरेट का दाम फौरन बढ़ा देता था। मध्यवर्ग बजट आने के दिन टीवी से चिपका रहता था जैसे सारी अर्थव्यवस्था का ज्ञान उसी के पास है। लेकिन उसकी दिलचस्पी सिर्फ इतनी ही होती थी कि आयकर की सीमा बढ़ी या नहीं। अब तो बेचारे उसने भी यह उम्मीद छोड़ दी है। पहले बजट और महंगाई का एक खास रिश्ता होता था। अब महंगाई ने बजट का हाल कुछ-कुछ परित्यक्ता जैसा कर दिया है। महंगाई अब बजट आने का इंतजार नहीं करती और बजट है कि उस पर अंकुश लगाने के बारे में सोचता तक नहीं। अब बजट का काम इतना बताना भर रह गया लगता है कि सरकारी कंपनियों की कितनी हिस्सा-पत्ती बेची जाएगी। बजट अब एक रस्म है। लेकिन यूं तो लोकतंत्र भी एक रस्म ही है। हालांकि जहां तानाशाही होती होगी वहां भी बजट तो होता ही होगा। लेकिन फिर ऐसे रस्म भी होती होगी।

त्रासदी का दायरा

आखिरकार अंतर्राष्ट्रीय जनमत को दरकिनार करके यूक्रेन पर युद्ध थोपने से रूस का साम्राज्यवादी चेहरा उजागर हो ही गया। युद्ध से उपजी त्रासदी की कितनी बड़ी कीमत मानवता को चुकानी पड़ती है, यूक्रेन के युद्धग्रस्त क्षेत्रों के हालात उसकी तस्वीर उकेर रहे हैं। इस त्रासदी का दायरा कितना व्यापक होगा; उसके आकलन में वक्त लगेगा, लेकिन दुनिया के शेयर बाजारों में गिरावट और कच्चे तेल के दामों का आसमान छूना इस युद्ध के तात्कालिक परिणाम हैं। अब इस त्रासदी का दंश भारत को भी झेलना पड़ रहा है। युद्ध के चलते हजारों छात्र यूक्रेन में फंसे हुए हैं और उनके अभिभावक बेबस होकर मदद की गुहार लगा रहे हैं। निस्संदेह, इस मामले में भारत सरकार की तरफ से लेटलतीफी हुई है। यूक्रेन में पंजीकृत भारतीयों की संख्या बीस हजार बतायी जाती है, जिसमें 18 हजार छात्र हैं। करीब चार हजार लोग समय रहते देश वापस आ पाये हैं। लेकिन जो छात्र वहां रह गये हैं, वे भगवान भरोसे हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि भारत सरकार ने समय रहते युद्ध स्तर पर भारतीयों को स्वदेश लाने के प्रयास क्यों नहीं किये जबकि लगातार ऐसे संकेत मिल रहे थे कि युद्ध कभी भी छिड़ सकता है। हालांकि, पुतिन के कई भ्रामक बयान भी आते रहे कि रूस हमला नहीं करेगा। फिर रूस ने यूक्रेन के दो प्रांतों को स्वतंत्र राष्ट्र का दर्जा देने की घोषणा की, तो भ्रम हुआ कि शायद रूस इतने से संतुष्ट हो जायेगा और युद्ध की स्थिति नहीं बनेगी। लेकिन पुतिन के मन में तो यूक्रेन को रूस में मिलाने का अंतिम खाका बन चुका था। निस्संदेह भारत सरकार स्थितियों का वास्तविक आकलन करने में चूकी है। कुछ लापरवाही छात्रों की तरफ से भी हुई। उनका कहना था कि वे देश लौटना चाहते थे, लेकिन विश्वविद्यालयों से ऑनलाइन पढ़ाई की अनुमति समय से नहीं मिल पायी, जिसके चलते वे समय रहते यूक्रेन नहीं छोड़ पाये। दरअसल, मध्यवर्गीय परिवारों के बच्चे मां-बाप द्वारा कर्ज आदि लेकर भेजे जाने पर परिवार की आर्थिक चिंताओं के चलते भी यूक्रेन छोड़ने में संकोच करते रहे।

बहरहाल, जब देश में यूक्रेन में फंसे विद्यार्थियों के अभिवावकों ने दबाव बनाया और मीडिया में फंसे छात्रों की खबरें आने लगीं तो सरकार ने दबाव महसूस किया। कुछ लोगों ने अदालत में भी याचिका दायर की। अब केंद्र सरकार ने फैसला लिया कि वह छात्रों को निकालने के लिये वैकल्पिक व्यवस्था कर रही है क्योंकि यूक्रेन का हवाई क्षेत्र बाधित है। अब सरकार कह रही है कि वह छात्रों को स्वदेश लाने का खर्च उठाएगी। यूक्रेन में जारी भीषण लड़ाई के बीच भारतीयों को निकालना निश्चित ही अब बड़ी चुनौती होगी। भारत सरकार की कोशिश है कि भारतीय नागरिकों को यूक्रेन की सीमा से लगते पड़ोसी देशों के जरिये निकाला जायेगा। शुक्रवार को आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि भारतीयों के लिये निकासी उड़ानों की व्यवस्था की जा रही है। भारत हंगरी, पोलैंड, स्लोवाकिया और रोमानिया की यूक्रेन से लगती सीमाओं के जरिये भारतीयों को निकालने की योजना को मूर्त रूप दे रहा है। भारतीय दूतावास द्वारा भी फंसे भारतीयों के मनोबल को बढ़ाने के लिये लगातार परामर्श जारी किये जा रहे हैं। यूक्रेन में स्थित भारतीय दूतावास लगातार फंसे लोगों से संपर्क बनाये हुए है। अब सरकार कह रही है कि भारतीयों की निकासी सरकार की शीर्ष प्राथमिकता में शामिल है। भारतीय अधिकारियों की टीम हंगरी, पोलैंड, स्लोवाकिया व रोमानिया की सीमा पर तैनात की जा रही है। अधिकारियों को इन देशों की यूक्रेन से लगी सीमा पर शिविर कार्यालय स्थापित करने को कहा गया है। निस्संदेह, संकटग्रस्त देश में फंसे भारतीय बेहद मुश्किल हालात में हैं। रूसी एयर स्ट्राइक के चलते यूक्रेन में अफरा-तफरी का माहौल है, जिसके चलते सुपर मार्केटों में खाद्य सामग्री का संकट पैदा हो गया है। छात्र वहां मुश्किल से खाने-पीने की चीजों की व्यवस्था कर पा रहे हैं। जिनके पास थोड़ा-बहुत है वह कुछ ही दिन चल पायेगा। पीने के पानी का संकट है। लगभग सभी एटीएम में भारी भीड़ है या पैसे खत्म हो चुके हैं। ऐसे में भारत सरकार की तत्काल मदद ही अंतिम राहत होगी।(आरएनएस)

शिव सेना ने दी नवीन को श्रद्धांजलि, की शांति की अपील

संवाददाता

देहरादून। यूक्रेन पर रूस के हमले के दौरान भोजन की तलाश में निकले कर्नाटक निवासी मेडिकल के छात्र नवीन शेखराप्पा की मौत हो जाने से भारत में शोक की लहर दौड़ गयी। इस दुखद घटना पर शिव सेना उत्तराखण्ड द्वारा शोक व्यक्त करते हुए मृतक छात्र को श्रद्धाजंलि अर्पित की गयी है।

शिव सेना उत्तराखण्ड के गोविंदगढ़ स्थित मुख्यालय में आज एक श्रद्वाजंलि सभा का आयोजन किया गया। जिसमें शिव सैनिकों ने नम आंखों से भारतीय छात्र नवीन शेखराप्पा की मृत्यु पर दुख व्यक्त करते हुए उन्हें श्रद्वाजंलि अर्पित की गयी।

प्रदेश प्रमुख शिव सेना गौरव कुमार ने नवीन को श्रद्वाजंलि अर्पित करते हुए कहा कि वह मृतक छात्र के प्रति अपनी शोक संवेदना व्यक्त करते हैं और ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि इस दुख की घड़ी में उनके परिवारजनों को दुख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। उन्होने कहा कि यह घटना केंद्र सरकार की विफलता का एक बड़ा उदाहरण है। यूक्रेन में फंसे भारतीय छात्र छात्राएं स्वदेश वापसी के लिए मदद की गुहार लगाते-लगाते निराश हो गए हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने नागरिकों को युद्व क्षेत्र से सुरक्षित निकालने की कोशिश में नाकाम साबित हो चुके हैं। केंद्र सरकार को इस समय अपना पूरा फोकस यूक्रेन में फंसे भारतीय नागरिकों की सकुशल वापसी पर करना चाहिए। उन्होंने कहा कि शिव सेना इस दुख की घडी में नवीन के परिजनो के साथ है। श्रद्वाजंलि देने वालो में मुख्य रूप से मनोज सरीन, विकास मल्होत्रा, वासु परविंदर, बालू गुप्ता, विजय गुलाटी, फरीद खान, मनिंदर सिंह, निधि गुप्ता, निशा मेहरा, हर्षित परविंदर, सुभाष गुप्ता आदि शामिल थे।

फैक्ट्री से लाखों का सामान चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने फैक्ट्री का ताला तोड वहां से लाखों रूपये का सामान चोरी कर लिया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सुद्धोवाला निवासी शाहिद अहमद ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी सेलाकुई क्षेत्र में फैक्ट्री है। रात्रि में चोरों ने फैक्ट्री का ताला तोडकर वहां से दो ब्लॉक पम्प, पंखे मशीने आदि चोरी करके ले गये है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्मैक के साथ एक गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डालनवाला कोतवाली पुलिस ने नालापानी के पास एक युवक को संदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया तो पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम संदीप रावत पुत्र मनवर रावत निवासी बृजलोक कालोनी सालावाला बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

गांजे के साथ दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने दो किलो गांजे के साथ दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसाद पटेलनगगर कोतवाली पुलिस द्वारा गठित टीम को सूचना मिलने पर गत रात्रि के समय करीब सवा आठ दो गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया। जिन्होंने पूछताछ में अपने नाम सन्दीप नाथ पुत्र ओम नाथ निवासी संपेरा बस्ती मौथरोवाला,विक्की नाथ पुत्र महिपाल नाथ निवासी संपेरा बस्ती मौथरोवाला बताया। पुलिस ने उनके कब्जे से दो किलो गांजा बरामद कर लिया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पांच करोड की ठगी में हैदराबाद से महिला सहित दो शातिर अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। विभिन्न कम्पनियों के नाम पर पांच करोड रूपये की धोखाधडी करने वाले गिरोह का भण्डाफोड कर महिला सहित दो लोगों को एसटीएफ ने हैदराबाद से गिरफ्तार कर लिया है।

आज यहां इसकी जानकारी देते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि विकासनगर से प्रवीण सिंह, अशोक मल्ल आदि 11 लोगों द्वारा एसटीएफ में शिकायत दर्ज करायी गयी कि कुछ व्यक्ति उनसे मिले जिनके द्वारा स्वंय को होलीडे हट, एचएचजेड इंटरनेशनल, गोल्फ क्वाइन गोल्ड सहित विभिन्न योजनाओं आदि कम्पनियों का स्वामी होना बताते हुये उक्त कम्पनियों से सम्बन्धित विभिन्न स्कीमो में धन निवेश करने के एवज में 03-05 प्रतिशत का लाभ प्रदान करने की बात कही गयी, साथ ही अन्य व्यक्तियों से धन निवेश कराने पर और अधिक लाभ देने का प्रलोभन दिया गया । उनकी बातो में आकर पीडित एवं अन्य लोगो के द्वारा 05 करोड़ से अधिक की धनराशि निवेश किया गया जिस पर उक्त अपराधी सभी की धनराशि प्राप्त कर फरार हो गये। सूचना पर थाना विकासनगर में मुकदमा दर्ज किया गया। अपराध की गम्भीरता को देखते हुये उक्त मामलों की जांच एसटीएफ के अधीन गठित आर्थिक अपराध शाखा में स्थानान्तरित की गयी, जहां से उक्त मामला निरीक्षक महेश्वर प्रसाद पुर्वाल के सुपुर्द की गयी। साथ ही घटना में ठगों के विरुद्ध कार्यवाही हेतु एसटीएफ एवं साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन की एक संयुक्त टीम गठित की गयी ।

उन्होंने बताया कि गठित टीम द्वारा घटना में प्रयुक्त बैंक खातो, वेबसाइट तथा ठगों द्वारा पीडितों से प्राप्त धनराशि की जानकारी प्राप्त की गयी साथ ही आधुनिक तकनीको का प्रयोग कर ठगों के सम्बन्ध में जानकारी की गयी तो ज्ञात हुआ कि ठग हैदराबाद में कही छिपे हुये है, जिस पर तत्काल टीम को हैदराबाद, आध्र प्रदेश रवाना किया गया । पुलिस टीम द्वारा अथक मेहनत एवं प्रयास से घटना में संलिप्त एक महिला सहित दो लोगों एक मार्च को हैदराबाद, तेलंगाना से गिरफ्तार किया गया।

पूछताछ में उन्होंने अपने नाम सताक्षी शुभम कैलाश दोनों निवासी निवासी मोहाली चण्डीगढ़ बताये।दोनों को स्थानीय न्यायालय से ट्रांजिट रिमाण्ड प्राप्त कर उत्तराखण्ड लाया गया। पुलिस टीम द्वारा वित्तीय संगठित अपराध का एक बड़ी घटना का खुलाशा किया गया जिसमे वर्तमान तक 11 व्यक्तियो की शिकायते प्राप्त हुयी है और 05 करोड़ से अधिक की धोखाधड़ी सामने आयी है।

महर्षि दयानन्द प्रान्तवाद-मजहब वाद से ऊपर थे: श्रुति सेतिया

संवाददाता

देहरादून। वैदिक विदुषी श्रुति सेतिया ने कहा कि महर्षि दयानन्द की विचारधारा में क्षेत्रवाद, मजहब वाद, सम्प्रदायवाद आदि का कोई स्थान नहीं है।

आज यहां केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में ऋषि बोधोत्सव की सार्थकता विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल में 367 वां वेबिनार था। वैदिक विदुषी श्रुति सेतिया ने कहा कि महर्षि दयानन्द की विचारधारा में क्षेत्रवाद, मजहब वाद, सम्प्रदायवाद आदि का कोई स्थान नहीं है वह मानवमात्र के लिए कार्य करते हैं जो मानवता के धरातल पर खड़ी होकर समूचे विश्व को श्रेष्ठ बनाने की क्षमता रखती है।

समूचे विश्व को आर्य बनाने के पीछे उनकी भावना एक ऐसे श्रेष्ठ मानव समाज का निर्माण करने की थी जो जियो और जीने दो के सिद्धांत पर चलकर अपनी उन्नति करता हुआ भी समाज, राष्ट्र ओर विश्व के प्रति समर्पित हो।

मुख्य अतिथि महेन्द्र नागपाल व अध्यक्ष आर्य नेत्री राजश्री यादव ने कहा कि हमारा जीवन व आचरण दूसरों के लिए आदर्श होना चाहिए। गायक रविन्द्र गुप्ता,उर्मिला आर्या,प्रवीना ठक्कर,रजनी गर्ग,कुसुम भंडारी,रचना वर्मा, कमला हंस,सुनीता अरोड़ा, किरण सहगल,सविता आर्या, सुदेश आर्या,ईश्वर देवी आदि के मधुर भजन हुए।

छात्राओं को सिखाए कराटे के गुर

संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित विशेष शिविर के चौथे दिन छात्राओं को योगाभ्यास व कराटे के गुर सिखाये गये।

आज यहां राष्ट्रीय सेवा योजना राजपुर रोड इकाई के विशेष शिविर के चतुर्थ दिवस पर स्वयंसेवकों द्वारा योग प्रशिक्षक के निर्देशन में योगाभ्यास एवं कराटे का अभ्यास किया गया साथ ही शिविर स्थल का सौंदर्यीकरण स्वयंसेवकों द्वारा किया गया।

बौद्धिक सत्र में उमेश्वर सिंह रावत डिप्टी सिविल डिफेंस अधिकारी का स्वागत श्रीमती कविता रोहिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा तुलसी का पौधा भेंट करके स्वागत किया। रावत द्वारा स्वयंसेवी को नागरिक सुरक्षा की सेवाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई जिसके अंतर्गत अग्निशमन सेवा ,रेस्क्यू सेवा वर्तमान ज्वलंत समस्याओं पर भी जानकारी स्वयंसेवकों को दी गई साथ ही छात्राओं द्वारा बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया गया तथा जानकारी हासिल की गई। छात्राओं ने अपने जिज्ञासु पूर्ण प्रश्नों का भी हल प्राप्त किया छात्राओं के सर्वांगीण व्यक्तित्व विकास पर जोर डाला गया! स्वयंसेविओं द्वारा रावत से समाज सेवा हेतु प्रेरणा हासिल की! सभी कार्य कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती कविता रोहिला एवं सहायिका श्रीमती वनिता शाह के निर्देशन में किए गए।

एक नजर

विदेश मंत्रालय ने भारतीय छात्रों को बंधक बनाए जाने की खबरों का खंडन किया

नई दिल्ली। भारत सरकार के विदेश मंत्रालय ने भारतीय छात्रों को बंधक बनाए जाने की खबरों का खंडन किया है और एक बयान जारी किया है। मीडिया में चल रही ऐसी खबरों को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा, यूक्रेन में अपना दूतावास यूक्रेन में भारतीय नागरिकों के साथ लगातार संपर्क में है। हम ध्यान दें कि यूक्रेनी अधिकारियों के सहयोग से कई छात्रों ने कल खारकिव छोड़ दिया है। हमें किसी भी छात्र के संबंध में किसी के भी बंधक की स्थिति की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। भारत में रूसी दूतावास

के एक अधिकारी ने रूस के रक्षा मंत्रालय की ब्रीफिंग का ब्योरा साझा किया। मॉस्को में रक्षा मंत्रालय ने एक मीडिया ब्रीफिंग में यह आरोप भी लगाया कि यूक्रेन के अधिकारी भारतीय छात्रों के एक समूह को उनकी बेलगोरोद जाने की इच्छा के विपरीत खारकीव में जबरदस्ती रोक कर रख रहे हैं। हालांकि भारत में यूक्रेन के राजदूत इगोर पोलिखा ने आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यूक्रेन जो अपना खून बहा रहा है, वह वहां फंसे हुए विदेशी छात्रों की मदद कर रहा है। विदेश मंत्रालय ने बयान में आगे कहा, हमने खारकिव और पड़ोसी क्षेत्र से छात्रों को देश के पश्चिमी भाग में ले जाने के लिए विशेष ट्रेनों की व्यवस्था के लिए यूक्रेनी अधिकारियों के सहयोग का अनुरोध किया है। हम रूस, रोमानिया, पोलैंड, हंगरी, स्लोवाकिया और सहित अन्य देशों के साथ प्रभावी ढंग से समन्वय कर रहे हैं। पिछले कुछ दिनों में यूक्रेन से बड़ी संख्या में भारतीय नागरिकों को निकाला गया है। इसे संभव बनाने के लिए यूक्रेनी अधिकारियों द्वारा सहायता की सराहना करते हैं।

कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली । यूक्रेन में जारी युद्ध की वजह से कच्चे तेल की कीमतें १२० डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंच गई हैं। जो कि तेल कीमतों का ६ साल से भी अधिक वक्त का सबसे ऊंचा स्तर है। कच्चे तेल की कीमतों में इस उछाल की वजह से देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में तेज बढ़त की आशंका बन गई है। देश में तेल की खुदरा कीमतों में पिछले ४ महीने से स्थिरता बनी हुई है। मई कॉन्ट्रैक्ट के लिये ब्रेंट क्रूड आज बढ़त के साथ ११६.

८४ डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी सत्र में ब्रेंट ११२.६३ डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ था। यानि आज के सत्र में ब्रेंट क्रूड करीब ७ डॉलर प्रति बैरल तक महंगा हुआ है।

अब तक 10 लाख लोगों ने छोड़ा यूक्रेन!

नई दिल्ली । संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी ने बृहस्पतिवार को बताया कि रूस के हमला करने के बाद से १० लाख लोग यूक्रेन छोड़कर चले गए हैं। इस सदी में पहले कभी इतनी तेज गति से पलायन नहीं हुआ है। संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी उच्चायोग (यूएनएचसीआर) के आंकड़ों के अनुसार, पलायन करने वाले लोगों की संख्या यूक्रेन की आबादी के दो प्रतिशत से अधिक है। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की आंच आम आदमी महसूस करने लगा है। देश में भुगतान तंत्र (पेमेंट सिस्टम) अब काम नहीं कर रहा है और नगदी निकासी को लेकर भी लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा। वही दूसरी ओर यूक्रेन में रूसी आक्रमण के आठवें दिन राजधानी कीव में चार विस्फोट हुए। द कीव इंडिपेंडेंट के

अनुसार, कीव के केंद्र में दो जोरदार धमाकों की आवाज सुनी गई। तीसरे और चौथे धमाकों की आवाज कीव के द्रुज्बी नारोदिव मेट्रो स्टेशन के पास सुनी गई। वहीं कीव में बड़े हवाई हमले का अलर्ट जारी किया गया है और लोगों से अपील की गई है कि वह नजदीकी बंकरों में जाकर छिप जाएं। इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमिर ज़ेलेंस्की ने फेसबुक पर एक वीडियो पोस्ट में कहा कि एक सप्ताह में ६,००० रूसी मारे गए हैं। राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने कहा, हमसब मिलकर अधिक से अधिक रूसी सैनिकों को वापस भगा रहे हैं। मैं आपके स्वास्थ्य की कामना करता हूं। उन्होंने कहा, हम वह देश हैं, जिसने एक हफ्ते में दुश्मन की योजनाओं को तोड़ दिया। योजनाएं जो नफरत के साथ वर्षों से बनाई गई हैं, हमारे देश, हमारे लोगों के लिए, उन सभी लोगों के लिए जिनके पास दो चीजें हैं, स्वतंत्रता और एक दिल।

गठबंधन सरकार की संभावनाओं को लेकर भाजपा-कांग्रेस सतर्क

संवाददाता

देहरादून। चुनाव परिणाम आने में भले ही अभी एक सप्ताह का समय शेष सही, लेकिन सूबे के नेताओं ने अभी से हर संभावित परिणाम की स्थिति में सत्ता तक पहुंचने की संभावनाओं की तलाश शुरू कर दी है। किसी भी दल को स्पष्ट बहुमत न मिलने की स्थिति में कैसे सरकार बनानी है? इसके लिए अभी से भाजपा और कांग्रेस के नेताओं ने प्रयास शुरू कर दिए हैं।

भले ही मतदान के बाद सभी दल अपनी ही सरकार बनने का दम भर रहे हो, लेकिन चुनाव परिणाम अगर अपेक्षानुसार नहीं आता है और बहुमत से दो-चार सीटें कम रह जाती हैं तो उन्हें कैसे जुटाया जा सकता है इस पर भाजपा और कांग्रेस दोनों ही दलों के नेताओं ने अभी से अपनी तैयारियां करना शुरू कर दी है। भाजपा और कांग्रेस के नेता इस बात को लेकर तो आश्वस्त हैं कि मुकाबला तो भाजपा-कांग्रेस के बीच ही

❑मतगणना से पहले ही समर्थन की तलाश शुरु

हो होगा, लेकिन बाजी किसके हाथ लगेगी इसका पक्का भरोसा किसी भी दल को नहीं है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस मुद्दे पर दोनों ही दलों के नेताओं द्वारा दो स्तर पर काम किया जा रहा है। राज्य स्तर पर कुछ नेताओं को संभावित जीत वाले निर्दलीय प्रत्याशियों से संपर्क साधने के काम पर लगाया गया है तथा बसपा जिसके इस बार कुछ प्रत्याशियों के जीतकर विधानसभा पहुंचने की उम्मीदें हैं उन्हें भी साधने पर काम किया जा रहा है। वहीं केंद्रीय स्तर पर भी इसकी कवायतें जारी है। आप और बसपा के अगर प्रत्याशी जीतते हैं तो उनका समर्थन कैसे हासिल किया जा सकता है इसे लेकर दिल्ली में बैठे नेताओं द्वारा अंकगणित लगाया जा रहा है। क्योंकि किसी भी पार्टी के समर्थन की स्थिति में अरविंद केजरीवाल और मायावती की भूमिका भी अहम हो सकती है।

इन दिनों भाजपा और कांग्रेस के बड़े नेता दिल्ली में रहकर इस मुद्दे या संभावना पर अपने नेताओं के साथ विचार मंथन में जुटे हैं। उनकी कोशिश है कि वह चुनाव परिणाम आने से पूर्व ही यह सुनिश्चित कर लेना चाहते हैं कि अगर जरूरत पड़ती है तो उन्हें किसका साथ मिल सकता है। चुनाव पूर्व भले ही भाजपा या कांग्रेस के अन्य राज्यों की तरह अन्य किसी भी दल से गठबंधन जैसी स्थिति न सही लेकिन पूर्ण बहुमत न मिलने की स्थिति में राज्य में गठबंध न सरकार की संभावना बन सकती है, इससे इन्कार नहीं किया जा सकता है।

ओएनजीसी में नौकरी के नाम 5 लाख ठगे

संवाददाता

देहरादून। ओएनजीसी में नौकरी लगाने के नाम पर पांच लाख ठगने पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आदूवाला निवासी विवेक नैनवाल ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसकी पहचान हिमांशु जोशी व मधु जोशी निवासी अशोक आश्रम पेलियो से हुई। दोनों ने उसको ओएनजीसी की तेल कम्पनी में नौकरी लगवाने का झासा दिया। वह उनकी बातों में आ गया तथा उन्होंने उसको नौकरी लगवाने के नाम पर पांच लाख रूपये लेकर उसको फर्जी नियुक्ति पत्र भी दे दिया। लेकिन जब वह ओएनजीसी पहुंचा तो उसको पता चला कि नियुक्ति पत्र फर्जी है तथा उक्त दोनों न उसके साथ ध ोखाधडी की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जमीन के नाम पर ठगे 22 लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। जमीन के नाम पर 22 लाख ठगने पर पुलिस ने पति पत्नी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कैण्ट निवासी यशंवत सिंह ने प्रेमनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि

उसकी पहचान प्रगति विहार नीबूंवाला निवासी रामनरेश नौटियाल व उसकी पत्नी सोनम से हुई। उसने उनको जमीन दिलाने की बात कही तो उन्होंने उसको झाझरा में एक जमीन दिखायी तथा उसका सौदा तय होने पर उसने दोनों को 22 लाख रूपये एडवांस के दे दिये। जिसके बाद जब वह उनसे जमीन की रजिस्ट्री कराने के लिए कहा तो वह टाल मटोल करने लगे। जिसके बाद उसको पता चला कि उक्त जमीन उनकी नहीं है। दोनों ने मिलकर उसके साथ धोखाधडी की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

यूक्रेन में अभी भी फंसे हैं...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

संभव हुई है। जब तक भारत के सभी छात्र वापस अपने घर नहीं पहुंच जाते तब तक अभियान गंगा (8 मार्च) तक जारी रखने की बात कही गई है। क्या 8 मार्च तक सभी छात्रों की वापसी हो सकेगी यह सवाल अभी सवाल ही बना हुआ है।

खाते से 36 लाख रुपये निकालने पर पति के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। खाते में फोन नम्बर बदलकर पत्नी के खाते से 36 लाख रूपये निकालने पर पति के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मुनीकी रेती निवासी कल्याणी संधूगू ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसका विवाह हैदराबाद निवासी आनंद स्वरूप मैदूरी के साथ हुआ था। उसने बताया कि विवाह के बाद से उसका पति उनके साथ मुनी की रेती में रह रहा था। उसने बताया कि उसके पति ने उसके बैंक में जाकर उसके खाते से उसका नम्बर हटवाकर अपना फोन नम्बर लिखवा दिया और उसके खाते से समय-समय पर रूपये निकालता रहा। जिसका उसको कुछ पता नहीं चला था क्योंकि वहां पर उसके पति ने अपना नम्बर लिखवा दिया था। जब उसका पति अपने घर चला गया तो वह बैंक गयी तो उसको पता चला कि उसके खाते से 36 लाख 18 हजार 249 रूपये निकाल लिये गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सीएम कार्यालय में आग..

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

होने से भड़की चिंगारी के कारण उसमें आग लग गई। इस घटना में किसी के घायल होने या कोई विशेष नुकसान होने की खबर नहीं है। लेकिन अधिकारियों द्वारा इस घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। अगर आग का तुरंत पता नहीं चलता और सुरक्षाकर्मियों ने तत्परता न दिखाई होती तो किसी बड़ी दुर्घटना की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता था। आज मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी सचिवालय में मौजूद नहीं थे। आग लगने की सूचना पर अग्निशमन दस्ता भी मौके पर पहुंच गया लेकिन आग इतनी अधिक नहीं फैली थी जिसे सुरक्षाकर्मियों ने पहले ही बुझा लिया गया था जिससे बड़ी दुर्घटना होने से टल गई।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।